Alive News

अलाईव न्यूज

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 12 Issue No. 12 Faridabad (NCR) Sunday, 16-31 July 2023 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/21-23 Page : 8

एससीओ की अध्यक्षता के दौरान भारत के नेतृत्व की विश्व में छाप

साभार

दुनिया में आतंकवाद, विस्तारवाद, अतिवाद और अलगाववाद की चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। इन चुनौतियों का समाधान पाकर ही दुनिया में शांति, अमन-चैन, संतुलित विकास एवं समता की स्थापना संभव है। इसके लिये एससीओ एक सक्षम मंच है, इसके सदस्य देशों में दुनिया की लगभग 40 प्रतिशत आबादी रहती है और दुनिया के कुल व्यापार का करीब 24 प्रतिशत इन्हीं देशों के बीच होता है। अगर संगठन के सदस्य देश आपस में सहयोग करें और संकल्पबद्ध हो तो यह समूह बहुत बड़ी आर्थिक ताकत बन सकता है। समस्या यह है कि चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों को छोड़ने को तैयार नहीं जबकि पाकिस्तान आतंकवाद की खेती करना बंद करने को तैयार नहीं। पाकिस्तान और चीन दोनों ही भारत को एक के बाद एक जख्म देने की कोशिशें करते रहते हैं। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध चीन की ऐसी ही कोशिश है। भारत, रूस और चीन परस्पर सहयोग का त्रिकोण बन जाए तो कोई ताकत इस त्रिकोण के सामने नहीं टिकेगी। जब तक पाकिस्तान और चीन अपनी नीतियां नहीं छोड़ते तब तक एससीओ अपने वास्तविक उद्देश्यों को प्राप्त नहीं कर सकेगा। चीन एवं पाकिस्तान जैसे देशों ने एससीओ जैसे सार्थक मंच पर भी शतरंज की बिसात बिछा रखी है, यूं तो पूरा विश्व शतरंज बना हुआ है और सब अपने-अपने मोहरे और अपनी-अपनी चालें चल रहे हैं। विश्व की शतरंज में घोड़ा सीधा और हाथी टेढ़ा चलता है। हम मोहरों को दोष नहीं दें। मोहरे चलते नहीं चलाए जाते हैं। कुछ आतंकवादी एवं विस्तारवादी शक्तियां शांति एवं सहयोग के नाम से अपनी चालें चलती हैं। जो अपने घोड़े, ऊंट और हाथी बचाने के लिए प्यादे को आगे कर मर जाने देते हैं। लेकिन इन यूरेशियाई देशों में तीसरी महाशक्ति भारत है, जो उनकी कुचालों को सफल नहीं होने दे रहा है। एससीओ की ओर से जारी संयुक्त बयान में चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव यानी बीआरआइ के उल्लेख से भारत ने जिस तरह दूरी बनाई, उस पर आश्चर्य नहीं, बल्कि वह उसकी दूरगामी एवं समझपूर्ण सोच को दर्शाता है। चीन ने इस परियोजना में अरबों डॉलर लगाए हैं। वह दुनिया में नंबर वन बनने के लिए कमजोर देशों को ऋण मुहैया कराने में जुटा है। आज श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार सहित कई अफ्रीकी देश इस कथित सस्ते ऋण के चक्कर में कंगाली के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। भारत इस परियोजना का प्रारंभ से ही विरोध करता आ रहा है। वास्तव में वह पहला देश था, जिसने तब इस परियोजना का विरोध किया था, जब छोटे-बड़े तमाम देश उसका समर्थन कर रहे थे। चीन यह कैसे सोच सकता है कि भारत उसकी इस परियोजना का समर्थन करेगा। चीन की इस परियोजना का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे वाले हिस्से से गुजरना

है, जो कि भारत का भूभाग है। हालांकि चीन इस तथ्य से भलीभांति परिचित है, लेकिन वह अपने अड़ियल रवैये के चलते भारत की संप्रभुता की अनदेखी करने में लगा हुआ है। चीन इस मामले में दोगली एवं बिखरावमूलक नीति पर चल रहा है। एक ओर तो वह यह चाहता है कि भारत समेत अन्य देश उसका सहयोग करें, दूसरी ओर वह भारत में ही छेद करने में लगा है। भला ऐसी योजनाओं एवं नीति के साथ भारत कैसे खड़ा हो सकता है? उसका विरोध वाजिब है। चीन को भारत के विरोध को समझना ही होगा। समस्या केवल चीन कनेक्टिविटी के नाम पर बीआरआइ परियोजना की ही नहीं है, बात पाकिस्तान पोषित आतंकवाद की भी है, जो एससीओ की मूल भावना के विपरीत है। चीन आतंकी संगठनों को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान का आंख मूंद कर समर्थन एवं सहयोग कर रहा है। इस तरह इस मंच का उपयोग अपने स्वार्थ एवं नीतियों के लिये करने वाले देशों से सर्तक एवं सावधान होने की जरूरत है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का बेशर्मी के साथ बचाव भी करता है, जिन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पाबंदी लगाना चाहती है। वह अभी तक पाकिस्तान के ऐसे चार-पांच आतंकी सरगनाओं की ढाल बन चुका है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रतिबंधित करने की कोशिश की। इसी के चलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकमुक्त विश्व की संरचना का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने दोनों देशों को खरी-खोटी सुनाई और यह साफ किया कि वे किस तरह आतंकवाद को खाद-पानी देने का काम कर रहे हैं। चीन आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाने के साथ पड़ोसी देशों की अखंडता की जैसी अनदेखी करने में लगा हुआ है, उसे देखते हुए इसके आसार कम ही हैं कि एससीओ के सदस्य देशों में आपसी भरोसा, एकमतता एवं सांझी सोच कायम हो सकेगी। रूस भी भटका हुआ है। भारत ही एकमात्र देश है जो अपने संकल्पों के साथ अडिग खड़ा है, मोदी ने 'वसुधैव कुटुंबकम' का जिक्र करते हुए भारत का उदार नजरिया पेश किया। मोदी ने कहा, 'भारत दुनिया भर के देशों को एक परिवार मानता है।' उनका कहना था कि भारत ने एससीओ को एक 'विस्तारित पड़ोस' नहीं बल्कि 'विस्तारित परिवार' मान कर काम किया है। इसी से यह एससीओ संगठन दक्षेस जैसा निष्प्रभावी संगठन होने से बचा है। एससीओ की बैठकों में कुल मिलाकर बड़े देशों में मतभेद ही उभर कर सामने आए हैं। अब बड़ा सवाल यह है कि एससीओ के सदस्य देश किस तरह से आपस में सहयोग करेंगे जबकि उनके निजी हित आड़े आ रहे हैं। एससीओ संगठन की स्थापना के वक्त यह संकल्प लिया गया था कि इसके सदस्य आपस में मिलकर बिना स्वार्थ एवं संकीर्णताओं के काम करेंगे तो पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्था को चुनौती दे सकते हैं। अगर संगठन के सदस्य देश आर्थिक ताकत बनना चाहते हैं तो उन्हें एक-दूसरे की भावनाओं एवं हितों का सम्मान करना होगा और एक-दूसरे की संप्रभुता और सीमाओं का भी सम्मान करना होगा। लेकिन चीन और पाकिस्तान इसमें सबसे बड़ी बाधा हैं। लेकिन भारत जैसे देशों को इसमें सक्रिय होकर इस संगठन की अस्मिता एवं अस्तित्व को सुदृढ़ बनाने के लिये प्रतिबद्ध होना होगा। भारत अपने देश के हित में किसी का भी दबाव स्वीकार नहीं करता है। भारत एक तटस्थ देश है, भारत ने ही ईरान को इस संगठन में जोड़ने में पहल की। ईरान का एससीओ संगठन में आना कई नई संभावनाओं को जन्म दे रहा है। उसके चाबहार बंदरगाह से भारत ही नहीं मध्य एशियाई देशों को भी सुगम कारोबार करने के अवसर मिलेंगे। चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारत ने आर्थिक योगदान के साथ तकनीकी और इंजीनियरिंग सहयोग भी दिया है। इस तरह के उद्देश्यों के साथ आगे आकर ही एससीओ को अधिक सार्थकता एवं सुदृढ़ता प्रदान की जा सकती है।

अमेरिकी राजनीति में भारतीय लोग

वप्पला बालाचंद्रन

सेंट जेवियर पालाथिंगल छह जनवरी को वाशिंग्टन में हुई ट्रंप रैली में भारतीय झंडा लहराते हुए दिखे थे। बाद में यह रैली उग्र हो गयी और इसने अमेरिकी कांग्रेस की इमारत पर हमला कर दिया था। विंसेंट ने हमारी मीडिया को बताया है कि त्रिशूर के इंजीनियरिंग कॉलेज से पढ़ाई करने के बाद वे 1992 में अमेरिका चले गये थे। उनका दावा है कि वे वर्जिनिया में रिपब्लिकन पार्टी की स्टेट सेंट्रल कमेटी के सदस्य हैं और वे 'चुनावी धांधली' के विरोध में ट्रंप रैली में शामिल हुए थे। उनका कहना है कि पहले वे डेमोक्रेट समर्थक थे और उन्होंने बराक ओबामा को दो बार वोट दिया है। विंसेंट का यह भी दावा है कि कुछ उपद्रवी रैली में घुस आये थे, अन्यथा रैली शांतिपूर्ण थी। उनका आरोप है कि उपद्रवी वामपंथी एंटीफा या ब्लैक लाइव्स मैटर के सदस्य हो सकते हैं। वे पांच ट्रंप रैलियों में शामिल हो चुके हैं, पर हिंसा केवल इसी बार हुई है। ब्लैक लाइव्स मैटर के प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा के लिए ट्रंप ने हमेशा एंटीफा को दोषी ठहराया था। बहरहाल, अमेरिकी न्याय विभाग कैपिटोल पुलिस के साथ घटनाक्रम की जांच कर रहा है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि जांच में विंसेंट के दावों को भी परखा जायेगा। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दुनियाभर में दिखाये गये पुते चेहरे और वाइकिंग सिंगों वाले शख्स की पहचान एरिजोना के जैक एंजेली के रूप में हुई है, जो ट्रंप समर्थक है और धुर दक्षिणपंथी समूह 'क्यूएनॉन' का सदस्य है। इस लेख का उद्देश्य उस घटना के बारे में बात करना नहीं है, बल्कि अमेरिका में मेरे अपने अनुभवों के आधार पर भारतीय अमेरिकियों की राजनीतिक गतिविधियों तथा एक समुदाय में धार्मिक आधारों पर दो दलों में विभाजन पर उनके असर के बारे में चर्चा करना है। अमेरिका में बसे भारतीय 1920-30 के दौर में तारकनाथ दास, हर दयाल, मुबारक अली खान और जे.जे सिंह आदि अनेक लोगों के नेतृत्व में राजनीतिक रूप से सक्रिय थे। उनके प्रयासों से दलीप सिंह सौंद के अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य (1957-63) बनने का रास्ता साफ हुआ था, जो नब्बे के दशक तक कांग्रेस के एकमात्र भारतीय सदस्य थे। वह एक बेहद अहम संघर्ष था, क्योंकि दूसरे विश्वयुद्ध में सभी आप्रवासन रोक दिये गये थे। साल 1946 में ल्यूस-सेलार कानून के तहत भारतीयों को विशेष श्रेणी देकर उनके आप्रवासन की अनुमति दी गयी। यह इंडिया लीग के अध्यक्ष जे.जे सिंह के दोनों दलों के कांग्रेस सदस्यों के साथ अभियान चलाने से ही हो सका था। इस कानून को प्रख्यात वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन, प्रसिद्ध लेखक पर्ल एस बक और कैलिफोर्निया के पूर्व गवर्नर अपटन सिंक्लेयर का समर्थन भी मिला था। भले ही इस कानून का झुकाव उत्तरी और पश्चिमी यूरोप के पक्ष में था, पर इससे अमेरिका में रह रहे तीन हजार भारतीयों को लाभ हुआ और उन्हें नागरिकता मिल गयी। साल 1952 में एक आप्रवासन कानून पारित हुआ, जिसमें एशियाई देशों के लिए हर साल महज सौ वीजा देने का ही प्रावधान था। असली फायदा 1965 में लिंडन जॉनसन के राष्ट्रपति रहते हुए बने कानून से हुआ, जिसमें देशों के कोटा सिस्टम को खत्म कर प्रवासी परिवारों की एकजुटता को बढ़ावा दिया गया, लेकिन दक्षिण एशिया से आये परिवारों की जीवनशैली एकाकी थी और उनकी गतिविधियां मंदिरों-मस्जिदों और दक्षिण एशियाई त्योहारों तक सीमित थीं। भारतीय समुदाय की संख्या तो बढ़ रही थी, पर वह राजनीति से अलग-थलग ही रहा। अस्सी के दशक में युवा कांग्रेस के पूर्व कार्यकर्ता डॉ जॉय चेरियन तथा उनके साथियों- कृष्ण श्रीनिवास, गोपाल वशिष्ठ, दिनेश पटेल, डॉ सुरेश प्रभु, स्वदेश चटर्जी आदि कई लोगों ने भारतीय अमेरिकियों से राजनीति में भाग लेने का आह्वान किया। इनमें दोनों दलों से संबद्ध लोग थे।

उन्होंने 1963 में टॉम डाइन द्वारा स्थापित यहूदी लॉबी समूह की तर्ज पर काम करना शुरू किया। भारत के हितों को आगे बढ़ाने के इरादे से 1983 में दोनों दलों से जुड़े लोगों का एक समूह बनाया गया। डॉ थॉमस अब्राहम और इंदर सिंह जैसे कार्यकर्ताओं ने भारतीय अमेरिकियों के दायरे को फिजी, गुयाना, सुरीनाम आदि देशों तक बढ़ाया, जहां कभी गिरमिटिया मजदूर ले जाये गये थे। इन्होंने 1989 में वैश्विक भारतीय प्रवासियों का एक संगठन बनाया। इन प्रयासों से भारतीय आप्रवासी अधिक दिखने लगे। ये सभी धर्मनिरपेक्ष और दोनों दलों से संबद्ध थे तथा इनमें सभी धर्मों और समुदायों की उपस्थिति थी। दुर्भाग्य से इस आंदोलन को पहला बड़ा झटका वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्धार्थ शंकर रे ने दिया, जो अमेरिका में भारत के राजदूत थे। साल 1993 में उन्होंने ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी को 1893 में विवेकानंद द्वारा शिकागो में दिये गये प्रसिद्ध भाषण के शताब्दी समारोह से अलग कर दिया। कारण यह बताया गया कि यह भारत सरकार का आधिकारिक कार्यक्रम है। उस समय से भारतीय अमेरिकियों का भाजपा से संबद्ध हिस्सा भारतीय अमेरिकी संगठनों के आयोजनों से दूरी बरतने लगा। दरार बढ़ने के इस सिलसिले को 2014 से और बढ़ावा मिला। प्रधानमंत्री और अन्य उच्च स्तरीय दौरों में भाजपा या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध या उनके समर्थकों को ही शामिल किया जाने लगा। बाकियों को आमंत्रित नहीं किया जाता। साल 2016 के चुनाव से ठीक पहले एक नया संगठन- हिंदूज फॉर ट्रंप- का गठन हुआ था। इससे दोनों दलों से संबद्ध लोगों के समूह ने खुद को अलग-थलग महसूस किया। इसका नतीजा यह हुआ कि अमेरिका में भारत के पक्ष में सक्रिय लॉबी कमजोर हुई है और इसका फायदा पाकिस्तान को मिला है, क्योंकि भारतीय अमेरिकी गतिविधियों से गैर-हिंदुओं को हटा दिया गया है।

(**लेखक-पूर्व विशेष सचिव, कैबिनेट सेक्रेटेरियट है**)

धन की ताकत और राजनीति

साभार

राजनीतिक दलों को मिले चंदे के बारे में एक गैर सरकारी संस्था का विश्लेषण इस लिहाज से अहम है कि इससे सियासत पर उद्योग एवं व्यापार जगत के प्रभाव को समझने में मदद मिलती है। बड़े राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग को दी गई जानकारी के मुताबिक ज्ञात स्रोतों से उन्हें जो चंदा मिला उसका 87 फीसदी हिस्सा कारोबारी घरानों से आया। मौजूदा कानून के तहत पार्टियों के लिए सिर्फ उन्हीं चंदों का स्रोत बताना अनिवार्य है। जिनमें उन्हें 20,000 रुपए से अधिक मिले हों। बीते आठ साल में बिजली, तेल, खनन, रिएल एस्टेट और कारखाना क्षेत्र की कंपनियों ने राजनीतिक दलों को 379 करोड़ रुपए का चंदा दिया। यह आकलन का विषय है कि जिन पार्टियों को खास स्रोतों से मोटा चंदा मिलता है, वे दाताओं के कारोबारी हितों को कितना और किस रूप में लाभ पहुंचाती हैं। बहरहाल, राजनीति पर धन के बने प्रभाव का यह सिर्फ एक हिस्सा है। दूसरा पहलू उम्मीदवारों की आर्थिक हैसियत है। अक्सर राजनीतिक दल टिकट देने के लिए उम्मीदवारों की जीत सकने की क्षमता को आधार बनाते हैं। यह क्षमता सामान्यतः उनकी माली हालत से परखी जाती है। हाल के विधानसभा चुनावों में सभी पार्टियों की सूची में करोड़पति उम्मीदवारों की भरमार रही। लोकतांत्रिक भावना के लिहाज से यह अवांछित है, लेकिन हकीकत यही है कि चुनाव जीतने में उम्मीदवार का धनी होना महत्वपूर्ण पहलू साबित होता है। भारतीय राजनीति के अध्ययनकर्ता अमेरिका के वर्जीनिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जॉन एशेवेरी जेंट के एक शोधपत्र का निष्कर्ष है कि जो उम्मीदवार जितना धनी होता है, उसके जीतने की संभावना उतनी ही अधिक रहती है। इसके मुताबिक 2009 के आम चुनाव में 33 फीसदी ऐसे उम्मीदवार जीते जिनके पास पांच करोड़ रुपए से अधिक संपत्ति थी। 10 लाख से कम संपत्ति वाले सिर्फ 0.44 प्रतिशत उम्मीदवार ही जीत पाए। दोबारा चुनाव लड़ रहे 10 लाख से 5 करोड़ के बीच की संपत्ति वाले सांसदों में 19 फीसदी विजयी रहे। 10 लाख से 15 लाख की संपत्ति वाले 94 फीसदी सांसद चुनाव हार गए। स्पष्टतः चंदा और धनी उम्मीदवारों की मांग ऐसे पहलू हैं, जिनसे सियासत पर थैलीशाहों का वर्चस्व बन गया है। इस दबदबे को कैसे तोड़ा जाए, यह अपने लोकतंत्र के सामने प्रमुख चुनौती है।

संसद सदस्यता छिनी उन्हीं के हस्तक्षेप से बना था कानून

साभार

मानहानि के एक मामले में सूरत कोर्ट का फैसला आने के बाद जिस तेजी से लोकसभा सचिवालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने का ऐलान किया, वह भारतीय राजनीति के लिए नई चीज है। हालांकि जो हुआ, वह नियम-कानून के अनुरूप ही है। यह बात भी दिलचस्प है कि जिस कानून के तहत राहुल गांधी की संसद सदस्यता छिनी है, वह 2013 में खुद उन्हीं के हस्तक्षेप के बाद बना था। तब राहुल गांधी ने तत्कालीन यूपीए सरकार द्वारा लाए जा रहे इस कानून से राहत दिलाने से संबंधित अध्यादेश की कॉपी सार्वजनिक तौर पर फाड़ दी थी। इस लिहाज से विरोधी यह तर्क दे सकते हैं कि जिस कानून की हिमायत खुद राहुल गांधी ने इतनी शिद्दत से की थी, उसके लागू होने पर कांग्रेस इतनी हाय-तौबा क्यों मचा रही है। लेकिन यह सिक्के का सिर्फ एक पहलू है। लोकतंत्र में कानून की बारीकियों की अहमियत तो होती है, लेकिन यह सवाल भी कम महत्वपूर्ण नहीं होता कि आम लोग किसी मुद्दे को किस रूप में देखेंगे। और आम लोगों के नजरिए से इस सवाल को अनदेखा करना मुश्किल है कि अपराध चाहे जो भी हो, खुद अदालत ने भी सजा पर अमल से पहले इसके खिलाफ

राहुल गांधी ने तत्कालीन यूपीए सरकार द्वारा लाए जा रहे इस कानून से राहत दिलाने से संबंधित अध्यादेश की कॉपी सार्वजनिक तौर पर फाड़ दी थी।

अपील के लिए राहुल गांधी को 30 दिनों की मोहलत दी थी।

ऐसे में लोकसभा सचिवालय ने उनकी संसद सदस्यता रद्द करने में जो जल्दबाजी दिखाई है, उसका सरकार के साथ चल रही उनकी तनातनी से कोई रिश्ता नहीं है, यह बात लोगों को समझाना बीजेपी के लिए आसान नहीं होगा। कांग्रेस नेताओं की शुरुआती प्रतिक्रिया भी इस बात की पुष्टि करती है कि वे सबसे ज्यादा जोर इसी पहलू पर देंगे। इसके बरक्स बीजेपी का जोर यह बताने पर लगता है कि राहुल गांधी ने अपने बयान से पूरे ओबीसी समुदाय का अपमान किया है।

जनता पर किसकी बात का ज्यादा असर होने वाला है, यह साफ होने में थोड़ा वक्त लगेगा। लेकिन जिस तरह से इस प्रकरण ने विपक्ष की तमाम पार्टियों को राहुल गांधी के समर्थन के लिए मजबूर कर दिया है, वह बीजेपी के लिए एक अतिरिक्त चुनौती तो हो ही गया है। इसके अलावा इस पूरे प्रकरण का एक और अहम पहलू है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ध्यान रहे, राहुल गांधी के जिस बयान को लेकर संसद में गतिरोध का ताजा दौर शुरू हुआ, वह विदेश में दिया गया था और उसका सार यही था कि भारत में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। सरकार के लिए जरूरी था कि वह अपने व्यवहार से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनने वाली इस धारणा को अप्रासंगिक या निरर्थक साबित करे। चिंता की बात यह है कि सही हो या गलत, विपक्षी नेताओं पर कानून व्यवस्था का कसता शिकंजा लोकतंत्र की मजबूती का संदेश नहीं देता।

चांद की ओर भारत

साभार

यह देश के लिए बड़ी खुशखबरी है कि 14 जुलाई को चंद्रयान-3 चंद्रमा की ओर रवाना कर दिया जाएगा। चूंकि पिछली ऐसी ही कोशिश आखिरी चरण में एक हद तक नाकाम हुई थी, इसलिए भारत की नई कोशिश पर पूरी दुनिया की निगाह है। चंद्रयान-3 भारत के पूर्वी तट पर स्थित श्रीहरिकोटा के स्पेसपोर्ट से एक लैंडर और रोवर को चंद्रमा तक ले जाएगा। लैंडर की मदद से रोवर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतारने की योजना है। रोवर अगर सही ढंग से काम करने लगा, तो यह भारत की एक बड़ी कामयाबी होगी। भारत से पहले केवल अमेरिका, रूस और चीन ही चंद्रमा पर रोवर उतारने में कामयाब हुए हैं। भूलना मुश्किल है कि इसरो की पिछली अधूरी सफलता ने भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान को कुछ निराश कर दिया था। ऐसा लगा था कि भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान चंद्रयान प्रथम की कामयाबी के बाद कुछ भटक गया है। इस बार वैज्ञानिक अपनी तैयारी को लेकर आश्वस्त हैं। पिछली निराशाओं को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना है और अगर यह अभियान सफल रहा, तो भारत को व्यापक रूप से फायदा होगा। देश को वैज्ञानिक दिशा मिलेगी, चर्चा के लिए सकारात्मक विषय मिलेगा। आज देश जिस मोड़ पर है, वहां ऐसी सफलता का सबको इंतजार है।

छह अरब रुपये से भी ज्यादा का यह महत्वाकांक्षी अभियान भारत के लिए सम्मान का विषय है। इसरो का कहना है कि चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव विशेष रुचि वाला है, क्योंकि इसके कुछ हिस्से में स्थायी रूप से छाया रहती है। क्या वहां से जल या बर्फ का कोई नमूना मिल सकता है? पिछली बार साल 2008 में भारत को ही चांद पर जल के संकेत मिले थे और 2021 में चांद पर जल की पुष्टि भी भारत की मदद से ही हुई थी। इस बार चांद पर जल संबंधी सूचना को और पुख्ता करना चंद्रयान-3 का एक बड़ा लक्ष्य है। शायद भारत चांद पर वहां पहुंचने की कोशिश में है, जहां अभी तक कोई देश नहीं गया है। एक सफल लैंडिंग भविष्य के भारतीय चंद्र अभियानों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकती है और इससे भारत की बढ़ती भू-राजनीतिक स्थिति को भी बहुत बल मिलेगा। अनेक विकसित देशों के असहयोग के बावजूद भारत का अंतरिक्ष विज्ञान अपने पैरों पर खड़ा हुआ है और उसे अपनी कुशलता को दुनिया के सामने सिद्ध करना है।

गौर करने की बात यह भी है कि पिछली बार लैंडर में ही खराबी आई थी। अतः इस बार इस पर खूब काम किया गया है। सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में बदलाव किए गए हैं। इस बार लैंडर में पांच के बजाय चार थ्रस्टर इंजन हैं, मजबूत पैर और बड़े सौर पैनल हैं। यह अधिक ईंधन ले जाएगा, ज्यादा कारगर होगा। जाहिर है, इसरो के अध्यक्ष श्रीधर सोमनाथ के लिए यह अग्निपरीक्षा का समय होगा। भारत अगर लैंडिंग में कामयाब रहा, तो रोवर 14 दिन तक चंद्रमा पर काम करेगा। भारत के पास चांद संबंधी विरल सूचनाओं का अंबार लग सकता है। 1.75 टन के लैंडर विक्रम पर जिम्मेदारी है कि 26 किलोग्राम का छह पहियों वाला प्रज्ञान नामक रोबोटिक रोवर चांद पर सही ढंग से उतर जाए। व्यापकता में देखें, तो चंद्रमा पर उतरना कुछ देशों के लिए एक बेशकीमती राजनीतिक लक्ष्य बना हुआ है। अमेरिका, रूस, चीन पर जब हम निगाह डालते हैं, तो पाते हैं कि अंतरिक्ष विज्ञान में भी उनकी कामयाबी अचंभित कर रही है। अब भारत को अगर प्रतिद्वंद्विता में पिछड़ना नहीं है, तो चंद्रयान-3 की कामयाबी मील का पत्थर साबित होने वाली है।

लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्रन-मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं गायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विनम्र होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता - स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्निशप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण - स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाश्त और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

आमदनी - स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

निकाय चुनाव को लेकर राज्य के शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने दिए निर्देश

17 जुलाई को बुलानी होगी एडहॉक कमेटी मीटिंग

मीटिंग में वार्डबंदी, जनसंख्या डिटेल करनी होगी अपडेट

20 जुलाई को हिंदी-अंग्रेजी में भेजनी होगी पूरी डिटेल

Faridabad/Alive News

हरियाणा में निकाय चुनाव को लेकर सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। फरीदाबाद, गुरुग्राम और मानेसर निकाय चुनाव को लेकर राज्य के शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने एडहॉक कमेटी की मीटिंग बुलाने के निर्देश दिए हैं। इसको लेकर विभाग की और से तीनों जिला उपायुक्त को लेटर जारी किया गया है। साथ ही मीटिंग कर वार्डबंदी को लेकर जल्द से जल्द प्रस्ताव भी मांगा है। शहरी स्थानीय विभाग की और से जारी लेटर में कहा गया है कि डीसी ही एडहॉक कमेटी का अध्यक्ष होता है। इसलिए तीनों शहरों में निकाय चुनाव को लेकर 17 जुलाई को मीटिंग बुलाकर वार्डबंदी का पूरा प्रस्ताव बनाया जाए। इसके अलावा मीटिंग में वार्डबंदी के नक्शे, प्रस्तावित वार्डों की जनसंख्या का तय प्रोफार्मा की जानकारी भी दी जाए।

संबंधित जिलों के सभी डीसी को हिदायत दी गई है कि नोटिफिकेशन के प्रस्ताव को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में किया जाए। इसके साथ ही इस कार्य में उन्हीं कर्मचारियों और अधिकारियों को लगाया जाए जिन्हें इसकी पूरी जानकारी हो। विभाग की और से यह भी कहा गया है कि इस प्रस्ताव को 20 जुलाई तक भिजवा दिया जाए। निकाय चुनाव को लेकर वार्डबंदी के काम को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव ने 8 जुलाई को मीटिंग की है। इस मीटिंग में शहरी स्थानीय निकाय विभाग को तय समय पर वार्डबंदी का पूरा काम करने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले 24 जून को भी वार्डबंदी को लेकर एक अहम मीटिंग की जा चुकी है।

भूमि अधिग्रहण से संबंधित लोक अदालत का आयोजन : सीजेएम

Faridabad/Alive News

जिला फरीदाबाद के सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री वाई एस राठौर के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सुकीर्ति एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में आज शनिवार को जिला अदालत सेक्टर -12 में भूमि अधिग्रहण से संबंधित लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में अतिरिक्त सत्र

न्यायाधीश संजय शर्मा की एक बेंच बनाई गई। जिसमें 50 केस रखे गए। जिनमें से 37 केसों का निपटारा आपसी सहमति से लोक अदालत में किया गया। सुकीर्ति गोयल ने बताया ने बताया कि लोक अदालत में केस का फैसला होने पर जिसकी सुप्रीम कोर्ट तक कोई अपील नहीं होती। वहीं कोर्ट फीस वापस हो जाती है तथा केस का फैसला हमेशा हमेशा के लिए हो जाता है। जिससे पैसे व समय की बचत होती है तथा आपस में प्रेम भाव बना रहता है। बता दें हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं न्यायमूर्ति पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ श्री अरुण पल्ली के दिशा निर्देशानुसार यह भूमि अधिग्रहण लोक अदालत का आयोजन किया गया।

सीवर ओवरफ्लो की समस्या से एनआईटी-86 की जनता त्राहिमाम-त्राहिमाम और विधायक मस्त-जगजीत कौर

Faridabad/Alive News

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) नेत्री जगजीत कौर ने कहा कि एनआईटी विधानसभा की जनता सीवर ओवरफ्लो की समस्या से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है और विधायक मस्त है। क्षेत्र की जनता पीने के लिए पानी, चलने के लिए सड़क और सीवर ओवरफ्लो की समस्या परेशान है। लेकिन विधायक के पास जनता के लिये एक ही जवाब है कि वह विपक्ष के विधायक है इसलिए अधिकारी और सरकार उनकी कोई सुनावई नहीं कर रही।

जगजीत कौर ने कहा कि वह कई बार क्षेत्र की समस्याओं को लेकर नगर निगम जा चुकी हैं और समाधान करा रही है। लेकिन विधायक के पास जनता की सुनवाई के लिए बिल्कुल भी समय नहीं है, जबकि एनआईटी विधानसभा के अन्दर हर दूसरी गली में सीवर ओवरफ्लो हो रहा है। स्थानीय लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। अगर, किसी को घर से बाहर जाना पड़ता है तो सीवर के पानी से निकलकर जाना पड़ता है। स्कूल के बच्चें हर रोज सीवर के पानी से निकलकर स्कूल जा रहे है।

उन्होंने बताया कि रविवार को पर्वतीय कालोनी गली नम्बर 10 के लोग ने अपनी समस्या को लेकर उनसे मुलाकात की और बताया कि उनकी गली में काफी सालों से सीवर ओवरफ्लो हो रहा है तथा इसकी शिकायत मुख्यमंत्री खिड़की से लेकर विधायक, निवर्तमान पार्षद, नगर निगम अधिकारियों तक लगा चुके है लेकिन कोई राहत नहीं मिली। लोगों ने उन्हें यह भी बताया कि अब सीवर का गंदा पानी उनके घरों के अन्दर आ रहा है जिसकी वजह वह लोग उनके पास समाधान कराने की उम्मीद लेकर आये है।

जगजीत कौर ने कहा कि नगर निगम के अधिकारियों से इस बारे में बात की जायेगी और समाधान के लिए कहा जायेगा। अगर, इसके बाद भी समाधान नहीं किया गया तो नगर निगम पर इनेलो का आंदोलन होगा।

डीसी कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक

Faridabad/Alive News

उपायुक्त कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह की अध्यक्षता में भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार आज शुक्रवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का प्रारंभिक प्रकाशन के लिए बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि आगामी वर्ष में सम्भावित लोक सभा और विधान सभा चुनावों के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश पर मतदाता सूचियों अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी 2024 को होगा। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

डीसी कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी हिदायतों व निर्देशों 29-05-2023 के अनुसार 01 जनवरी 2024 क्वालीफाइंग तिथि मानकर प्रकाशित की जाने वाली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के आधार पर फरीदाबाद जिला की मतदाता सूची तैयार की जा रही है। इसके लिए इलेक्ट्रॉल अधिकारी और

सहायक जिला इलेक्ट्रर रोल अधिकारी नियुक्त किए गए है।

उपायुक्त कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि वे सभी नागरिक जिनका नाम वार्ड वाइज मतदाता सूची में नही हैं। यदि किसी अपात्र मतदाता, मृतक और स्थान छोडकर चले गए अथवा डबल दर्ज है। किसी के नाम इत्यादि में गलती है अथवा किसी दूसरे वार्ड/मतदान केन्द्र से अपना नाम बदलवाना चाहता है। तो ऐसी सभी आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी।

बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार ईआरओ और एईआरओ का प्रशिक्षण 10 जुलाई 2023 तक किया जाएगा। वहीं 11 से 20 जुलाई 2023 तक बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद बीएलओ 21 जुलाई से 21 अगस्त 2023 तक मतदाता सूची की घर घर जाकर वेरिफ़िकेशन करना सुनिश्चित करेंगे।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के दिशा-निर्देश पर बीएलओ समक्ष 30 सितम्बर से 16 अक्टूबर -2023 तक फार्म नम्बर एक से आठ तक भर कर दिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष निर्धारित प्रपत्रों में दावे एवं आपत्तियों को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 21, 22 अक्टूबर 2023 व 04 तथा 05 नवम्बर 2023 रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दावा एवं आपत्तियों का निस्तारण 26 दिसंबर 2023 तक किया जाएगा।

बैठक में एडीसी अपराजिता, एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, सीटीएम अमित मान व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उद्घाटन कार्यक्रम में नही बुलाए जाने से स्थानीय विधायक नाराज, पत्र लिख शिकायत दी विधानसभा अध्यक्ष को

Faridabad/Alive News

नगर निगम अधिकारियों ने सेक्टर-28 में सामुदायिक भवन के विस्तारीकरण के उद्घाटन कार्यक्रम में स्थानीय विधायक राजेश नागर को नहीं बुलाया तो नाराज विधायक ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है और निगम अधिकरियों पर प्रोटोकाल का पालन न करने का आरोप लगाया है। चुनावी सीजन की शुरूआत होने के साथ-साथ अब सत्ता पार्टी के नेताओं का मनमुटाव सामने आने लगा है। यही नहीं जिले के अधिकारी भी गुटों में बंट गए हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने सेक्टर-28 में सामुदायिक भवन का विस्तारीकरण का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर से करवा दिया, लेकिन कार्यक्रम में स्थानीय विधायक राजेश नगर को नहीं आमंत्रित किया गया। इस बात से नाराज विधायक ने विधानसभा अध्यक्ष का पत्र लिखकर नाराजगी जताई है और निगम अधिकरियों पर प्रोटोकाल का पालन न करने का आरोप लगाया है। विधायक ने इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ उचित कार्यवाही करने की मांग की है। बता दें कि दो जुलाई को नगर निगम की ओर से सेक्टर 28 सामुदायिक भवन के विस्तारीकरण के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। अधिकारियों ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर को आमंत्रित कर उद्घाटन करा दिया। इस बात की जानकारी होने पर तिगांव विधायक राजेश नागर ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने शिकायत में कहा है कि उनके विधानसभा क्षेत्र का कार्यक्रम होने के बाद भी उन्हें सूचना नही दी गई और न ही बुलाया गया। यही नहीं विस्तारीकरण के

Rajesh Nagar MLA Tigaon Vidhansabha

शिलापट्ट तक पर नाम अंकित नहीं किया गया। यह अपमानजनक है। निगम अधिकारियों ने प्रोटोकाल का भी पालन नहीं किया गया। उन्होंने इस मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। निगम सूत्रों की मानें तो अपनी कुर्सी बचाने के लिए अधिकारी भी कई गुटों में बंटे हैं। सभी अपने-अपने चहेते विधायकों के पक्ष में लगे रहते हैं। एक गुट बड़े मंत्री के यहां हाजिरी लगाता है तो दूसरा गुट छोटे मंत्री के यहां। इससे शहर का बेड़ा गर्क को रहा है।

ड्रग मुक्त भारत अभियान : पेंटिंग में रिया और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दीपिका प्रथम

Faridabad/Alive News

सराय ख्वाजा के राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए ड्रग मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पेंटिंग और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

जूनियर रेड क्रॉस काउन्सलर, एंबुलेंस ब्रिगेड के प्रभारी एवं स्कूल के प्राचार्य मनचन्दा ने बताया कि जेआरसी, एसजेएबी और गाइडस सदस्य छात्र-छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता की। उन्होंने कहा कि आज देश के एक तिहाई से अधिक लोग ड्रग्स का सेवन कई रूप में करते हैं जो कि सामान्य स्वास्थ्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। ड्रग, तंबाकू आदि के सेवन से दिल की बीमारी होने की संभावना चार गुना अधिक हो जाती है।

कॉर्डिनेटर फाइन आर्ट्स प्राध्यापिका गीता ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपने परिवार के सदस्यों, विद्यालय के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों, बंधुओं

और सह कर्मियों में इन ड्रग्स एवम तम्बाकू उत्पादों से स्वास्थ्य को हानि पहुंचाने वाले तथ्यों को खुलकर बताएं और चर्चा करें जिससे हमारे युवा पीढ़ी के भविष्य की रक्षा हो सके। क्योंकि युवाओं को आकर्षित करने के लिए तंबाकू और निकोटिन उत्पादों के विभिन्न प्रकारों बबल गम और कॉटन कैंडी के अंदर तम्बाकू को भरकर बेचा जा रहा है, जिस से स्वास्थ्य की हानि और भयंकर श्वास एवं फेफड़ों से संबंधित रोगों को छुपाने की चेष्टा की जाती है।

प्राचार्य मनचन्दा ने बताया कि पेंटिंग प्रतियोगता में छात्रा रिया प्रथम, अंजली द्वितीय तथा आशा को तृतीय घोषित किया गया। पोस्टर मेकिंग में दीपिका प्रथम, आकांक्षा द्वितीय तथा एकता को तृतीय घोषित किया गया।

एनसीवीईटी और श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

Faridabad/Alive News

राष्ट्रीय व्यवसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) और श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के बीच महत्वपूर्ण अनुबंध हुआ है। इसके अंतर्गत श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को दोहरी श्रेणी (ड्यूल कैटेगरी) में अवॉर्डिंग बॉडी के रूप में मान्यता दी गई है। इस उपलब्धि के बाद विश्वविद्यालय तकनीक और कौशल के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका निभाने में और अधिकृत होगा।

इस अनुबंध पर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा और एनसीवीईटी के निदेशक कर्नल (रिटा.) संतोष कुमार ने हस्ताक्षर किए। यह अनुबंध एनसीवीईटी के चेयरमैन डॉ. निर्मल जीत सिंह कलसी और कार्यकारी निदेशक

विनीता अग्रवाल, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक अंबिका पटियाल तथा बिजनेस डेवलपमेंट हेड सरोज मिश्रा की उपस्थिति में हुआ। डॉ. निर्मल जीत सिंह कलसी ने इस उपलब्धि के लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा एवं पूरी टीम को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने इसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस अनुबंध के बाद श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय अवॉर्डिंग बॉडी के रूप में हरियाणा ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका निभाएगा। कौशल और तकनीक के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की सहभागिता और मजबूत होगी। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने इस पायदान पर पहुंचने के लिए कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा, मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक अंबिका पटियाल तथा बिजनेस डेवलपमेंट हेड सरोज मिश्रा को बधाई दी।

कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा ने कहा कि एनसीवीईटी के साथ हुए इस अनुबंध से श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) से संरेखित और सुमेलित नए कोर्स डिजाइन करने के लिए अधिकृत होगा। विभिन्न प्रकार के मूल्यांकन के लिए भी विश्वविद्यालय के पास विशेषज्ञताएं होंगी। संयुक्त निदेशक अंबिका पटियाल ने बताया कि अवार्डिंग बॉडी का दर्जा मिलने के बाद अब श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय विभिन्न क्षेत्र के प्रशिक्षकों की क्षमताओं को विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से कौशल के क्षेत्र में हम व्यापक योगदान कर पाएंगे। राष्ट्रीय परियोजनाओं में भी श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की भागीदारी बढ़ेगी।

एचएसवीपी प्रशासक डॉ गरिमा मित्तल ने किया डॉ सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र का निरीक्षण

Faridabad/Alive News

भारत विकास परिषद सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित डॉ. सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र में शुक्रवार को डॉ गरिमा मित्तल (आईएएस प्रशासक एचएसवीपी एवं सीईओ एफएमडीए) ने डॉ सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र का निरीक्षण किया।

डॉ गरिमा मित्तल ने कहा कि डॉ. सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र में दी जाने वाली सुविधाओं की सरहाना की। डॉ सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र से राज कुमार अग्रवाल (प्रोजेक्ट चेयरमैन), रमेश अग्रवाल (मेडिकल डायरेक्टर), राकेश गुप्ता, अशोक गोयल, एस. एन बंसल, अरुण सराफ, अनिल गुप्ता, आरती गुप्ता, सज्जन जैन, नरेंद्र अग्रवाल और मुकेश अग्रवाल भी उपस्तिथ रहे। डॉ. सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र में बहुत ही कम दरों पर स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही है जैसे की सीटी स्कैन, ईसीजी, इको, टीएमटी, डायलिसिस सेंटर, एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड आदि की सेवाएँ दी जा रही है।

रोजगार के लिए कौशल, कला और डिजाइन का होगा संगम

Faridabad/Alive News

कौशल, कला और डिजाइन तकनीक के समन्वय से रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। प्रदेश में युवाओं को इन तीनों आयामों में निपुण बनाने की दिशा में खाका तैयार हो गया है। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू, पंडित लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट (सुपवा) के कुलपति गजेंद्र चौहान और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, हरियाणा की निदेशक डॉ. वनिता आहूजा के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में तीनों संस्थानों के बीच तकनीक, संसाधन और शैक्षणिक विशिष्टताओं के आदान-प्रदान का प्रारूप तैयार किया गया। गौरतलब है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के समग्र आयामों को लागू कर रोजगार की दृष्टि से महत्वपूर्ण संस्थानों को एक मंच पर लाने का आह्वान कर चुके हैं। इस दिशा में काम शुरू हो गया है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में विशिष्टताओं वाले हरियाणा के इन तीनों संस्थानों का एक अकादमिक मंच पर आना समय की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संस्तुतियां भी इस समन्वय की पैरोकार हैं और मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी इस दिशा में सभी संस्थानों को प्रेरित कर रहे हैं। डॉ. राज नेहरू ने कहा कि नई शिक्षा नीति विभिन्न विधाओं के मिश्रण से नवाचार को बल देती है।

हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रौद्योगिकी बहुत तेजी से बदल रही है और तकनीक में अप्रत्याशित परिवर्तन आ रहे हैं। प्रोग्राम और उनके पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता को बनाए रखने के साथ-साथ मार्केट के अनुसार जॉब रोल तैयार करने की बड़ी जिम्मेदारी है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि हरियाणा में स्थापित यह तीनों संस्थान मिल कर काम करेंगे। परस्पर तकनीक और संसाधनों का आदान-प्रदान होगा। उन्होंने बताया कि क्रेडिट एक्सचेंज आधारित प्रोग्राम चलाए जाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई है। सुपवा के कुलपति गजेंद्र चौहान ने सिनेमोटोग्राफी, एनिमेशन, ग्राफिक्स डिजाइनिंग सहित अन्य कलात्मक कौशल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए पेशकश की। उन्होंने विद्यार्थियों के एक-दूसरे संस्थान में जाकर सीखने की संभावनाओं की भी चर्चा की। कुलपति गजेंद्र चौहान ने सुपवा के वैश्विक स्तर के स्टूडियो और उनकी तकनीकी उत्कृष्टताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सिखाने के लिहाज से सुपवा के पास बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर है। कुलपति गजेंद्र चौहान ने इस दिशा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों का भी उल्लेख किया। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने सीएनसी लैब और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनी दूसरी तकनीकी लैब के सदुपयोग की पेशकश की। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, हरियाणा की निदेशक डॉ. वनिता आहूजा ने कहा कि डिजाइन अत्यंत रचनात्मक विषय है। उन्होंने तीनों संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स की संभावनाओं पर प्रबलता से चर्चा की। डॉ. वनिता आहूजा ने कहा कि तीनों संस्थान अपनी-अपनी विशेषताओं को समाहित कर कुछ कोर्स डिजाइन कर सकते हैं। एनआईडी की फैकल्टी ने डिजाइन के विविध आयामों को प्रस्तुत भी किया। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने सुपवा और एनआईडी की टीमों को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का भ्रमण करने का न्योता दिया। तीनों संस्थानों के प्रमुखों ने परस्पर सहयोग एवं समन्वय से शीघ्र ही कुछ शॉर्ट टर्म कोर्स डिजाइन करने पर सहमति दी। इस बैठक में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो.आरएस राठौड़, प्रो. डी.के गंजू, एनआईडी की ओर से डॉ. डी. श्रीनिवास, ममता गौतम, स्वाति और सुपवा की ओर से डॉ. विश्वजीत और बी. तोमर सहित कई अन्य अधिकारी व शिक्षक मौजूद थे।

हृदय को छू जाने वाली इस तस्वीर को देखकर शायद आप की भी आंखें नम हो जाए

Faridabad/Alive News

स्वावलंबी भारत की , स्वावलंबी नारी यह तस्वीर हर किसी के मन को छू रही है कि एक महिला अपने परिवार का पेट पालने के लिए एक हाथ में ई-रिक्शा और दूसरे हाथ में अपना बच्चा संभाले ई-रिक्शा चला रहे हैं इस तस्वीर में हिंदुस्तान की लाखों हृदय के प्रति नारी का सम्मान जनक बना दिया है शायद इस तस्वीर से लगता है कि भारत के प्रधानमंत्री ने जो सपना महिलाओं के 100 लंबी बनाने को लेकर देखा था वह शायद इस तस्वीर को देखकर पूरा होने की कगार पर है मां जिसे हम सबसे बड़ी योद्धा मानते हैं जिसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती मां अपने बच्चों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है आज हम मां को दुर्गा के सामान भी दर्जा देते हैं

सोशल मीडिया पर एक तस्वीर सामने आई है जिसमें मां अपने बच्चे को गोद में लेकर ई रिक्शा चलाती दिख रही है इस तस्वीर में मां की मजबूरी और बेबस नजर आ रही है सोशल मीडिया पर यह तस्वीर लोगों के द्वारा बहुत पसंद की जा रही है जिस लोगों द्वारा हजारों बार देखा जा चुका है और लोग इस तस्वीर को पसंद लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

एनसीईआरटी ने किताबों ने प्रसन्न कर दिया

हृदयनारायण दीक्षित

यहां आनंद की सारी बातें भौतिक हैं। आगे कहते हैं कि, 'लेकिन इस तरह से सौ आनंदों से बड़ा मनुष्य गंधवार्णा आनंद है। गंधर्व आनंद कविता संगीत कला और संस्कृति से जुड़ा होता है। सांस्कृतिक मनुष्य साधारण मनुष्य की तुलना में सौ गुना आनंद पाते हैं।' आगे 'मनुष्य गंधर्व आनंद' की तुलना में देव गंधर्व आनंद को सौ गुना बताते हैं। गीत-संगीत और कलाएं मनुष्य को विशेष आनंद देती हैं और उसे दिव्य बनाती हैं। अब उसका आनंद देव गंधर्व है और सौ गुने का भी सौ गुना हो गया है। फिर इससे भी गहन और सौ गुना आनंद पितरों का चिरलोक आनंद है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहली व दूसरी कक्षा की पुस्तकें जारी की हैं। ये राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में तैयार की गई हैं। प्रसन्नता की बात है कि इनमें तैत्तरीय उपनिषद में वर्णित पंचकोष का उल्लेख किया गया है। तैत्तरीय उपनिषद में आनंद का समुचित विवेचन है। कहते हैं, ह्यचेतन से आकाश पैदा हुआ। आकाश से वायु वायु से अग्नि और अग्नि से जल का उद्भव हुआ। जल से पृथ्वी। पृथ्वी से औषधियां वनस्पतियां प्रकट हुईं।

वनस्पतियों औषधियों से अन्न और अन्न से पुरुष पैदा हुआ। यह पुरुष अन्नमय है। (तैत्तिरीय उपनिषद 2.1) यहां सृष्टि के विकासवादी सिद्धांत के संकेत है। आगे कहते हैं, 'अन्न से प्रजा उत्पन्न हुई। अन्न से जीवित रहती है और अन्न में लीन होती है। अन्न सभी प्राणियों का ज्येष्ठ है। अन्नमय शरीर के भीतर प्राणमय शरीर है।' प्राण के बारे में कहते हैं, 'प्राण ही आयु है, प्राणोहि भूतानां आयु। फिर प्राणमय शरीर के भीतर मनोमय कोष है।' मनोमय से यह प्राणमय शरीर पूर्ण है। वह प्राणमय शरीर में सर्वत्र व्याप्त है। इसके भीतर विज्ञानमय कोष है। फिर विज्ञान के गुण बताते हैं, ह्यविज्ञान कर्म क्षेत्र का विस्तारक है। सभी देवता ज्येष्ठ ब्रह्म की तरह विज्ञान की उपासना करते हैं।

विज्ञान ब्रह्म है। विज्ञानमय कोष के भीतर आनंदमय कोष है। प्रिय उस आनंद का सिर है। मोद दक्षिण भाग है। प्रमोद उत्तर भाग है। आनंद आत्मा है। आनंदमय कोष सुन्दर उपलब्धि है। आनंद सृष्टि का मूल तत्व है। वह सृष्टि का नियंता है। शंकराचार्य ने तैत्तिरीय उपनिषद के भाष्य में लिखा है, 'आनंद विद्या और कर्म का फल है। विद्या और कर्म भी प्रिय और आनंद के लिए ही हैं। प्रिय पदार्थ की प्राप्ति से होने वाला आनंद मोद कहलाता है। वही हर्ष प्रकट करने पर प्रमोद कहा जाता है। फिर विज्ञानमय पुरुष का वर्णन है। यह मनोमय शरीर से भी सूक्ष्म है। विज्ञानमय जीवात्मा समस्त शरीर में व्याप्त है।' गीता (13.3.22) में कहते हैं कि, 'जीवात्मा रूप क्षेत्रज्ञ शरीर रुपी क्षेत्र में सर्वत्र व्याप्त है।'

इसके बाद आनंदमय पुरुष का वर्णन है। यह विज्ञानमय जीवात्मा से भिन्न है। यह उसके भीतर रहता है। इसे आनंदमय कहा गया है। आनंदमय के पहले विज्ञानमय पुरुष

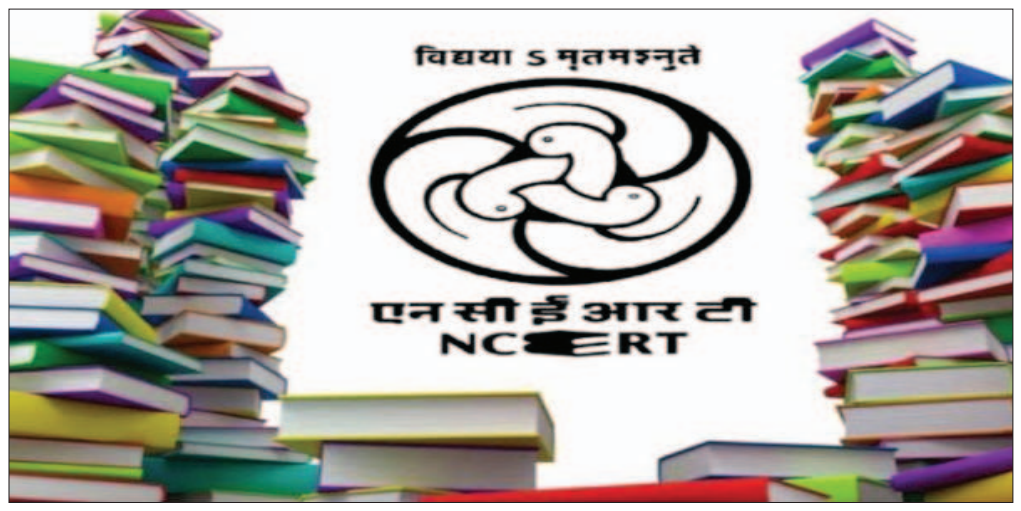

व्याप्त है। वह इसमें भी परिपूर्ण है। आनंदमय की तुलना पक्षी रूप में की गई है। प्रिय भाव उस पक्षी का सिर है। समस्त प्राणी आनंद चाहते हैं। इस पक्षी का दाहिना पंख मोद है। दायां पंख प्रमोद है। आनंद ही परम सत्ता का मध्य अंग है। सम्पूर्ण आनंद सम्पूर्ण दिव्यता है। अनेक पदार्थ मधु, दूध और घी भी अपने स्वाद में आनंद देते हैं। वैदिक ऋषियों को आनंदित करने वाले सोम भी आनंददाता हैं। ऋग्वेद में एक पूरा मण्डल (9) सोम को समर्पित है। सोम आनंदवर्धक पेय हैं। आनंददाता हैं। आनंद का स्रोत हैं। (9.113.6) ऋषि स्तुति है, 'हे सोम आप वरुण व इन्द्र को आनंद देते हैं। आप विष्णु सहित सभी देवों को आनंदित करते हैं। देवता भी अमृतत्व पाने के लिए सोम पीते हैं। (9.106.8) वैदिक पूर्वजों के दूध प्रिय है। ऋषि सोम में गाय का दूध मिलाते हैं। (9.6.6) सोम और दूध का मिलन सभी रसों का दाता है।' ऋषि कहते हैं, 'जिस समय सोम को दूध के साथ मिलाते हैं उस समय सभी रस आकर्षित होते हैं।' मजेदार बात यहां यह है कि यहां आनंद के स्रोत आस्था विश्वास में नहीं भौतिक पदार्थों में हैं।

ऋषि सोम में दूध मिलाने के बाद दही मिलाते हैं। पहले सोम में दूध और फिर दही फिर इससे मिलने वाला सभी रसों का आनंद। वे इस आनंद में नमस्कार का भाव भी मिलाते हैं। ऋषि कहते हैं, 'मधुर सोमरस में मधुर गोदूध मिलाओ फिर नमस्कार करो। फिर दही मिलाओ। नमस्कार सहित दूध के साथ सोमपान सभी रसों का आनंददाता है। नमस्कार का अपना रस है। यह नमस्कार आधुनिक पियक्कड़ों के 'चियर्स' जैसा है।' कहते हैं, 'सोम में जब दूध मिलाया जाता है तब सोमपान से सभी देवगण आनंदित होते हैं।'

सोम देवता का उल्लेख ईरान के प्राचीन ग्रन्थ 'अवेस्ता' में भी हैं। ऋग्वेद के सोम 'अवेस्ता' में 'होम' हैं। ऋषियों के अनुसार सोम के दर्शन से सृजन कर्म विशिष्ट हो जाते हैं। काव्य उगते हैं। गीत प्रकट होते हैं। ऋग्वेद (9.50.1) में कहते हैं, 'हे सोम आपके उद्भव से हम याजक, ऋक्, यजु और साम मन्त्रों का गान करते हैं।' मैकडनल जैसे कुछ विद्वान सोम को इंटोक्सिकेटिंग, नशीला पदार्थ बताते हैं। यह बात गलत है। सोम रचनाशीलता का आनंद है।' इसे पवित्र बताते हैं, 'पवित्र यह सोमरस सूर्य की तरह सभी लोकों में प्रकाशित होता है। (9.54.3) सोम ज्ञानदाता हैं।' एनसीईआरटी ने उचित ही तैत्तिरीय उपनिषद के पंचकोष का बच्चों के पाठ्यक्रम के लिए सदुपयोग किया है। यह एक अच्छी शुरूआत है। उपनिषद का ज्ञान निष्कलुष और आनंददाता है।

हम सब आनंद अभीप्सु हैं। मनुष्य आनंद का भोक्ता है। लेकिन अभिलाषाएं अनंत हैं। सभी इच्छाएं पूरी नहीं होती। इससे तनाव बढ़ता है। वैदिक समाज आनंद मगन था। कामना अभिलाषाओं के तनाव नहीं थे। तैत्तिरीय उपनिषद के ऋषि ने आनंद का प्रेमपूर्ण विश्लेषण किया है। ऋषि प्रारम्भ में ही कहते हैं ह्यअब हम आनंद की मीमांसा करते हैं, - मनुष्य युवा हों। श्रेष्ठ आचरण से युक्त हों। अध्ययनशील हों, अंग स्वस्थ हों। धनवान हों। पृथ्वी पर अधिकार भी हों। तो यहां आनंद है।'

यहां आनंद की सारी बातें भौतिक हैं। आगे कहते हैं कि, 'लेकिन इस तरह से सौ आनंदों से बड़ा मनुष्य गंधवार्णा आनंद है। गंधर्व आनंद कविता संगीत कला और संस्कृति से जुड़ा होता है। सांस्कृतिक मनुष्य साधारण मनुष्य की तुलना में सौ गुना आनंद पाते हैं।' आगे 'मनुष्य गंधर्व आनंद' की तुलना में देव गंधर्व आनंद को सौ गुना बताते हैं। गीत-संगीत और कलाएं मनुष्य को विशेष आनंद देती हैं और उसे दिव्य बनाती हैं। अब उसका आनंद देव गंधर्व है और सौ गुने का भी सौ गुना हो गया है। फिर इससे भी गहन और सौ गुना आनंद पितरों का चिरलोक आनंद है।

यहां पूर्वजों और पितरों के प्रति श्रद्धा और स्मरण को आनंदपूर्ण बताया गया है। फिर पितरों के चिरलोक आनंद से आजा नज देवानंद सौ गुना ज्यादा है। यह मनुष्य चेतना की विशेष मनोदशा है। इससे सौ गुना आनंद कर्म देवानां देवानमानंदा है। यह आनंद दिव्य कर्मों को करने से प्राप्त होता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि यहां कर्म से मिलने वाले फल में आनंद नहीं है। श्रेष्ठ कर्म करने का भी अपना आनंद है। यह पूर्ववर्ती से भी सौ गुना ज्यादा है। देवताओं का आनंद इससे सौ गुना है। लेकिन इन्द्र को प्राप्त आनंद इससे भी सौ गुना ज्यादा है। फिर बृहस्पति को भी ऐसा ही आनंद प्राप्त है।

तैत्तिरीय उपनिषद का यह हिस्सा आनंद सागर है। यहां प्रत्येक मंत्र के बाद जुड़ा एक ही वाक्य अंत में जुड़ा हुआ है कि अकामहत वेद वेत्ता को यह आनंद सहज ही प्राप्त है। अकामहत का अर्थ कामना शून्यता है। लेकिन इसके साथ वेद वेत्ता की शर्त है। कामना शून्यता आसान नहीं। यह तत्व ज्ञान का परिणाम होती है। उपनिषद दर्शन में ऐसे तमाम लोकमंगलकारी तत्व हैं। ऐसे सूत्रों से बच्चों का सम्यक बुद्धि विकास होगा।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

संपादकीय

पांव पखारने की करुणा

मध्य प्रदेश में पूरी मानवता को शर्मसार करने वाली एक निंदनीय घटना हुई। इसमें सत्तारूढ़ भाजपा के एक विधायक के मदान्ध प्रतिनिधि ने आदिवासी युवक पर पेशाब करने का घिनौना काम किया। इसके वायरल वीडियो ने देश के आम से लेकर खास जनमानस तक को झकझोर कर रख दिया। सभी ने एक स्वर से सभी संचार माध्यमों पर चौतरफा निंदा की। प्रवेश शुक्ला नामक युवक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। इससे एक बात साबित हुई कि देश की सहज मानवीय चेतना सबल, निष्पक्ष और जाग्रत है। वह दलविहिन है और समझौतापरस्त नहीं है। आखिर इसके बाद कानून के दायरे में रह कर सरकार ने वह सारा कुछ किया। प्रवेश पर एनएसए लगाया गया। बुलड़ोजर चलाने की मांग पर उसके अवैध निर्माण पर इसे भी चलाया गया। एक हद तक लोगों ने माना कि त्वरित न्याय हुआ और आगे भी सुनवाई के बाद सजा मिलनी ही है। हालांकि प्रदेश की विपक्षी कांग्रेस को इतने से संतोष नहीं हुआ और वह इस मुद्दे के साथ लंबा चलना चाहती है। उसके लिए इस घोर घृणित कर्म ने आसन्न चुनावी राज्य में आदिवासी वोटों के ध्रुवीकरण का अनायस ही मजबूत अवसर दे दिया है। इस समुदाय में उसके विधायक भाजपा से बहुत अधिक हैं। मध्य प्रदेश में आदिवासियों की सहानुभूति दलों के सिर पर सत्ता का सेहरा बांधती रही है। फिलहाल उनका आशीर्वाद कांग्रेस के साथ है। भाजपा और उसकी सरकार में बढ़ी हताशा की यह दूसरी बड़ी वजह है। यह निर्णायक फैक्टर है। इसने करुणार्द्र मुख्यमंत्री शिवराज चौहान को वह सब भी करने पर विवश किया, जिसकी अपेक्षा या मांग उनसे नहीं की गई थी। चौहान को उस पीड़ित आदिवासी युवक को सुदामा बताते हुए पांव पखारने पड़े और उसकी मानवीय गरिमा बहाली के लिए पेड़ लगाना पड़ा। कहा जा सकता है कि उस आदिवासी युवक के साथ हुए क्रूर पाश्विक कर्म के प्रायश्चित करने और उसके आहत स्वाभिमान पर मलहम लगाने के लिए इससे अधिक क्या किया जा सकता है। हो सकता है, मामा ने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर यह सब किया हो। यह भी संभव है कि उन्हें यह प्रेरणा अपने नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिली हो जो भारत के सपनों के शिल्पकारों के साथ ऐसा व्यवहार कर उनका मान बढ़ाते हैं। पर अच्छा यही होता कि मौसम चुनावी होता या सामान्य, आदमी के साथ आदमी जैसा सलूक किया जाता।

अब पौधे लगाए ग्रीन क्रेडिट के लिए

तिलक राज शर्मा
संपादक

भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 'ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी)' कार्यान्वयन नियमों के मसौदे को सार्वजनिक करते हुए एक बेहतर और पर्यावरण हित में एक साहसिक कदम उठाया है। इस अभूतपूर्व पहल का उद्देश्य एक प्रतिस्पर्धी बाज़ार का लाभ उठाते हुए उसमें शामिल विभिन्न हितधारकों द्वारा स्वैच्छिक पर्यावरणीय कार्यों को प्रोत्साहित करना है। ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम शुरू करके, सरकार घरेलू कार्बन बाजार का पूरक बनाना चाहती है और कंपनियों, व्यक्तियों और स्थानीय निकायों को 'ग्रीन क्रेडिट' नामक प्रोत्साहन की एक अनूठी इकाई के माध्यम से उनके द्वारा किए गए पर्यावरण के संदर्भ में टिकाऊ या सस्टेनेब्ल कार्यों के लिए पुरस्कृत करना चाहती है।

क्या है नया? पारंपरिक कार्बन क्रेडिट प्रणालियों के विपरीत, ग्रीन क्रेडिट सिस्टम पर्यावरणीय दायित्वों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करने के लिए CO_2 उत्सर्जन में कटौती से आगे निकल जाता है। ये ग्रीन क्रेडिट व्यापार में काम आने वाली मुद्रा की तरह होंगे, जिसका आदान प्रदान किया जा सकेगा। इससे एक संभावित बाजार मंच तैयार होगा जहां बाज़ार में मौजूद प्रतिभागी अपने अर्जित क्रेडिट बेच सकते हैं। यह कार्यक्रम हरित ऋण गतिविधियों की एक विविध श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें वृक्षारोपण-आधारित हरित ऋण, जल-आधारित हरित ऋण, टिकाऊ कृषि-आधारित हरित ऋण, अपशिष्ट प्रबंधन-आधारित हरित ऋण, वायु प्रदूषण कटौती-आधारित हरित ऋण, मैंग्रोव संरक्षण और टिकाऊ भवन और बुनियादी ढाँचा-आधारित हरित ऋणशामिल हैं।

कौन करेगा इसका प्रबंधन?

कार्यक्रम की प्रभावशीलता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) कार्यक्रम प्रशासक के रूप में कार्य करेगी। वे प्रत्येक ग्रीन क्रेडिट गतिविधि के लिए सीमा और बेंचमार्क की स्थापना सहित कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश, प्रक्रियाएं और प्रक्रियाएं विकसित करेंगे। यहाँ ये ध्यान देने वाली बात है कि ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम निजी क्षेत्र के उद्योगों, कंपनियों और अन्य संस्थाओं को ग्रीन क्रेडिट उत्पन्न करने या खरीदने के लिए प्रासंगिक कार्यों के साथ अपने कार्यों को संरेखित करके अपने मौजूदा दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित भी करता है।

क्या है इसका उद्देश्य? यह नवोन्वेषी पहल अपनी तरह कि पहली है और इसका उद्देश्य कई तरह कि पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को महत्व देना और पुरस्कृत करना है। ऐसा करने से, यह हरित परियोजनाओं को अकेले कार्बन कटौती से परे इष्टतम रिटर्न प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। अंतत:, यह कार्यक्रम टिकाऊ कार्यों और जीवनशैली जीने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है और व्यक्तियों, कंपनियों और स्थानीय निकायों को पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सशक्त बनाता है।

कुछ चिंताएँ-कागज पर इसके अच्छे इरादे के बावजूद, विशेषज्ञ ग्रीन क्रेडिट के बाजार-आधारित तंत्र के भीतर ग्रीनवॉशिंग की संभावना के बारे में चिंता जताते हैं। ग्रीनवॉशिंग का मतलब होता है कि बिना कोई महत्वपूर्ण पर्यावरणीय लाभ प्रदान किए बिना अपनी या अपने संस्थान की सकारात्मक छवि बनाने के लिए झूठे या अतिरंजित दावे करना है। ऐसी आशंका है कि कुछ कंपनियां या संस्थाएं पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के लिए वास्तविक प्रयासों की आवश्यकता को उपेक्षा करते हुए, केवल ग्रीन क्रेडिट उत्पन्न करने के लिए सतही गतिविधियों में संलग्न हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, उत्सर्जन में तत्काल कटौती प्राप्त करने में इन तंत्रों की प्रभावकारिता के बारे में सवाल उठते हैं और क्या संसाधनों को निगरानी और धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए आवंटित किया जाना चाहिए या अधिक परिवर्तनकारी सरकार के नेतृत्व वाले प्रयासों की ओर निर्देशित किया जाना चाहिए।

समस्या का निदान-इन चिंताओं को कम करने के लिए, ग्रीन क्रेडिट सिस्टम के लिए मजबूत कार्यप्रणाली और मानक स्थापित करना आवश्यक है। इसके अलावा, अतिरिक्त रणनीतियां बनाना महत्वपूर्ण है जो बाजार की व्यवहार्यता और स्थिरता सुनिश्चित करते हुए हरित ऋण के लिए पर्याप्त मांग उत्पन्न करें। कार्यक्रम का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और कार्यान्वयन, विशेष रूप से वृक्षारोपण और वनीकरण के संबंध में, महत्वपूर्ण है। अनसुलझे वन स्वामित्व और शासन अधिकार, पारिस्थितिक और जैव विविधता चुनौतियां, और कार्बन क्रेडिट योजनाओं की वैश्विक आलोचना जैसे कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। आंतरिक चर्चाएँ और सार्वजनिक परामर्श इन पहलुओं को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चलते चलते-ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम स्थायी कार्यों को प्रोत्साहित करने और व्यक्तियों, कंपनियों और स्थानीय निकायों के बीच स्थायी जीवन को बढ़ावा देने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य करता है। जबकि प्रभावशीलता और ग्रीनवॉशिंग के जोखिम के बारे में चिंताएं मौजूद हैं, कार्यक्रम की ग्रीन क्रेडिट गतिविधियों की श्रृंखला विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सकती है। इसकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए, मजबूत कार्यप्रणाली और मानकों को स्थापित करना और अतिरिक्त रणनीतियों को लागू करना महत्वपूर्ण है जो बाजार की व्यवहार्यता और स्थिरता सुनिश्चित करते हुए हरित क्रेडिट के लिए पर्याप्त मांग उत्पन्न करते हैं। ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम पर्यावरणीय चेतना और जिम्मेदारी को बढ़ावा देते हुए हरित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन के उभरता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं अलाइव न्यूज के मुख्य संपादक है।)

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंत:करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भुत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अत- उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

वैश्विकी: नाटो शिखर वार्ता और एशिया

अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो के शिखर सम्मेलन में क्या तीसरे विश्व युद्ध की इबारत लिखी जाएगी अथवा यूरोप को परमाणु युद्ध की विभीषिका से बचाने के लिए कोई बुद्धिमतापूर्ण पहल होगी? ये दोनों सवाल दुनिया के सामने हैं।

रूस के सहयोगी देश बेलारूस की सीमा से कुछ ही दूर लिथुआनिया की राजधानी विनियम में 11-12 जुलाई को नाटो की शिखर वार्ता आयोजित है जिसमें 31 सदस्य देशों के साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को भी आमंत्रित किया गया है। एशिया और इंडो-पेसिफिक के इन चार देशों का शिखर वार्ता में शामिल होना, भारतीय विदेश नीति के लिए एक विचारणीय मुद्दा है। जापान और ऑस्ट्रेलिया क्वाड में भारत के सहयोगी देश हैं। इनका नाटो शिखर वार्ता में शामिल होना एशिया में तनाव का नया कारण बन सकता है। वास्तव में नाटो ने जापान में अपना संपर्क कार्यालय खोलने की पहल की है, जो फ्रांस की आपत्ति के कारण फिलहाल अमल में नहीं आ पाई है।

शिखर वार्ता के ठीक पहले लिथुआनिया ने अपनी इंडो-पेसिफिक नीति का खुलासा किया। पच्चीस लाख की आबादी वाले और इंडो-पेसिफिक से हजारों मील दूर स्थित इस बाल्टिक देश कीइस घोषणा का दुनिया भर में उपहास हो रहा है। लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि जहां एक ओर जापान स्वयं को यूक्रेन संघर्ष के साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा है, वहीं लिथुआनिया जैसा छोटा देश इंडो-पेसिफिक में दखल की हिमाकत कर रहा है। शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल विनियस को अभेद्य किले में बदल दिया गया है। नाटो देशों की वायुसेना के युद्धक विमानों और वायु प्रतिरक्षा पप्रणाली के जरिये सुरक्षा कवच प्रदान किया गया है। शिखर वार्ता का एजेंडा वास्तव में रूस के खिलाफ यूक्रेन को सैन्य रूप से और सक्षम बनाना है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की इस दो दिवसीय शिखर वार्ता में भाग लेंगे लेकिन इसकी संभावना नहीं है कि उनके देश को नाटो में शामिल किया जाएगा। इतना जरूर है कि इस्त्राइल की तरह यूक्रेन को भी सुरक्षा गारंटी देने पर फैसला हो सकता है।

यूक्रेन को मिलेंगे क्लस्टर बम

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शिखर वार्ता के लिए रवाना होने के पूर्व यूक्रेन को क्लस्टर बम (छोटे-छोटे बमों का गुच्छा) मुहैया कराने का ऐलान किया है। इसे दुनिया के अधिकतर देशों ने प्रतिबंधित किया हुआ है। इसलिए कि बिना विस्फोट वाले ये छोटे-छोटे बम दशकों तक इलाकों में फैले रहते हैं, जिनसे नागरिकों के जानमाल पर खतरा रहता है। रूस के खिलाफ यूक्रेन के जवाबी हमले में कोई सफलता नहीं मिल पाने से नाटो देशों में हताशा है। वे यूक्रेन के सैन्य अभियान को हर हालत में सफल होते देखना चाहते हैं। उन्हें इस बात की चिंता नहीं है कि यूक्रेन जितने घातक हथियारों का इस्तेमाल करेगा, उसके जवाब में रूस उससे भी अधिक घातक हथियारों का सहारा लेगा। जिस समय नाटो देशों के नेता शिखर वार्ता में भाग ले रहे हैं, उसी समय रूस अपने पूर्व घोषित फैसले के अनुरूप बेलारूस में परमाणु हथियारों (सीमित क्षमतावाले टैक्टिकल परमाणु बम) की तैनाती कर रहा है। नाटो नेता परमाणु युद्ध के खतरे को नजरअंदाज कर यूक्रेन-युद्ध की आग में घी डालने पर आमादा हैं।

भारत एशिया में नाटो के प्रसार पर क्या रवैया अपनाता है, इसका क्षेत्रीय और विश्व स्तर पर बड़ा असर होगा। वास्तव में अमेरिका ने भारत को नाटो के सहयोगी देश के रूप में शामिल करने की पेशकश की थी, जिसे भारत ने खारिज कर दिया था। भारत यह भी नहीं चाहेगा कि क्वाड में उसके सहयोगी देश जापान और आस्ट्रेलिया एशिया में नाटो के प्रसार का जरिया बने। क्या भारत क्वाड में अपनी भूमिका की पुनर्समीक्षा करेगा? भारत की तटस्थ और स्वतंत्र विदेश नीति का तकाजा यह है कि वह एशिया में यूक्रेन जैसी परिस्थिति पैदा न होने दे। इसके लिए वह जापान और आस्ट्रेलिया के नेताओं को सुझाव दे सकता है। भारत के लिए चिंता का एक नया मुद्दा इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में रूस की नौसेना की सक्रियता भी है। क्वाड देशों की नौ-सेनाओं के संयुक्त अभ्यास के दौरान रूसी युद्ध-पोतों से आमना-सामना हो सकता है। भारत ऐसा कभी नहीं चाहेगा। तो इस नाटो शिखर वार्ता की काली छाया आगामी ब्रिक्स शिखर वार्ता (अगस्त में संभावित) और जी-20 शिखर वार्ता पर भी पड़ सकती है।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

पुलिस-प्रशासन ने जारी किया मोबाईल नम्बर, अब नशा करने वाले हो जाये सावधान!

Faridabad/Alive News

उपमंडल अधिकारी (ना.), फरीदाबाद परमजीत चहल ने आज बुधवार को सेक्टर-14 में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से प्राप्त सहायता अनुदान राशि के तहत संचालित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण कर वहां इलाज करा रहे मरीजों का हालचाल जाना तथा उन्हें नशे से दूर रहकर अच्छा जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित भी किया। एसडीएम परमजीत चहल ने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र में मरीजों को दाखिल रखने की व्यवस्था बेहतरीन है व नशा छोड़ने का मन बनाकर आने वाले हर मरीज को डॉक्टरी सुविधा, दवाइयां तथा भोजन आदि मुफ्त मुहैया करवाया जाता है। इस मौके पर विशेषज्ञों ने नशे की लत को छोड़कर निरोगी जीवन व्यतीत करने के लिए दाखिल मरीजों को नशे के कुप्रभावों संबंधित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को इलाज के बाद भी उन पर नजर रखी जाती हैं। इस दौरान उनकी गतिविधि को देखा जाता है व समय-समय पर रोगियों का नियमित ऑडिट और फॉलोअप किया जाता है। उन्हें स्वस्थ और सुखी जीवन जीने को प्रेरित किया जाता है। जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव बिजेंद्र सोरोत ने नशा मुक्ति केंद्र के माध्यम से नशे के आदि हो चुके लोगों को नशे की लत से छुटकारा दिलाने के लिए बेहतर पहल की है। अबतक इस इस अच्छी मुहिम के कारण नशे से ग्रसित कई लोगों की लत छूट चुकी है और वे एक बेहतर जीवन व्यतीत कर रहे हैं। नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती मरीजों को उपचार के साथ-साथ उनकी नियमित काउंसलिंग कर उन्हें लत से दूर करने को लेकर प्रयास भी किए जाते हैं।

नशे के आदि लोगों की सूचना दें, पुलिस और प्रशासन करेगा कार्यवाही

एसडीएम चहल ने कहा कि आजकल युवा नशे की ओर बहुत तेज गति से जा रहा है। इसके लिए हर मां-बाप को अपने बच्चों का पूरा ध्यान रखना पड़ेगा। ताकि वह नशे के गर्त में ना जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस का सहयोग है कि आमजन की भागीदारी के साथ सहयोग करके फरीदाबाद को नशा मुक्त बनाया जाएगा। जिस घर में भी नशा साफ दिख रहा है। उसकी सूचना पुलिस व प्रशासन को 24 घंटे किसी भी समय टोल फ्री नंबर 90508891508 पर दे सकते हैं। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। नशा करने वालों के खिलाफ प्रशासन व पुलिस हर संभव प्रयास कर रहा है। इस मुहिम को सफल बनाने के लिए आम जन भागीदार बनकर फरीदाबाद को नशा मुक्त बनाएं।

इसके अलावा उपमंडल अधिकारी (ना.), फरीदाबाद परमजीत चहल द्वारा आशा ज्योत नशा मुक्ति केंद्र तिगांव रोड, मिर्ज़ापुर, सैक्टर 74, फ़रीदाबाद का भी निरीक्षण किया गया तथा वहां उपचार ले रहे भर्ती मरीजो से वार्तालाप करके उनको दी जा रही सुविधाओं के बारे में जाना।

एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच का स्वागत करने के लिए अमृता स्कूल ऑफ मेडिसिन तैयार

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद स्थित अमृता अस्पताल के परिसर में चल रहे अमृता स्कूल ऑफ़ मेडिसिन, इस साल अगस्त से 150 एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच का स्वागत करने के लिए तैयार है। नीट- क्वालिफाई उम्मीदवारों के लिए काउंसलिंग सत्र वर्तमान में आयोजित किया जा रहा हैं। अमृता स्कूल ऑफ मेडिसिन अमृता विश्व विद्यापीठम का एक हिस्सा है, जिसे एनआईआरएफ 2023 रैंकिंग में भारत के शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों में स्थान दिया गया है। अमृता अस्पताल, फरीदाबाद के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संजीव सिंह ने कहा, ÷जैसा कि हम अगस्त में अमृता अस्पताल की पहली वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं, फरीदाबाद में अमृता स्कूल ऑफ मेडिसिन में एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच का प्रवेश हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ होगा। पिछले 25 वर्षों में, कोच्चि में अमृता स्कूल ऑफ मेडिसिन ने चिकित्सा शिक्षा में अपना नाम कमाया है। हम अपने फ़रीदाबाद परिसर में छात्रों के लिए समान असाधारण शैक्षणिक मानकों, अद्वितीय शिक्षाशास्त्र और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का विस्तार करने के लिए उत्साहित हैं।

डॉ. संजीव सिंह ने कहा, ÷हम उभरते डॉक्टरों को सिमुलेशन लैब, रोबोटिक्स और डिजिटल स्वास्थ्य जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से भी परिचित कराते हैं। इस तरह की तकनीक भारत के कई शीर्ष सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी मौजूद नहीं है। इसके अलावा, हम छात्रों में शोध करने का व्यवहार विकसित करते हैं। हमारे कोच्चि परिसर का एक समृद्ध इतिहास है और इसके कई पूर्व छात्र एम्स, हार्वर्ड और जॉन हॉपकिंस सहित दुनिया के कुछ महान मेडिकल स्कूलों और अस्पतालों में अध्ययन और सेवा करने के लिए गए हैं।

अमृता स्कूल ऑफ मेडिसिन, फरीदाबाद के प्रिंसिपल कर्नल बी.के मिश्रा ने कहा, ÷अमृता स्कूल ऑफ़ मेडिसिन 2,600 बिस्तरों वाले अमृता अस्पताल से जुड़ा है, जो भारत का सबसे बड़ा निजी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल है। हमारा लक्ष्य अपने छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का शैक्षिक अनुभव प्रदान करना है।

कर्नल बी. के मिश्रा ने आगे कहा, ÷अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध, हमारी फैकल्टी सदस्यों को व्यापक रूप से एशिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक माना जाता है। अपने ज्ञान और शिक्षण अनुभव के भंडार के साथ, वे छात्रों को उच्च कुशल डॉक्टरों के रूप में विकसित करने के लिए समर्पित हैं, जिनकी भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांग होगी। हम भारत और विदेश दोनों में अपने सभी छात्रों की भलाई, सुरक्षा और आराम को प्राथमिकता देते हैं। छात्रावास की सुविधाएं विविध पृष्ठभूमि से आने वाले शिक्षार्थियों के लिए एक आरामदायक और समावेशी वातावरण के लिए डिज़ाइन की गई हैं।

विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मानवतावादी, श्री माता अमृतानंदमयी देवी (एएमएमए), विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में कार्य करती हैं।

जल भराव की समस्या के समाधान के लिए सभी विभाग उठाएं उचित कदम-विक्रम सिंह

Faridabad/Alive News

उपायुक्त ने नगर निगम के अधिकारीयों को आदेश देते हुए कहा कि मानसून से पहले जल भराव की समस्या के समाधान सभी डिस्पोजलों को अपग्रेड कर उनमें जरूरत के अनुसार उपकरण लगाने का कार्य करें तथा नगर निगम, एनएचएआई, एफएमडीए सहित अन्य विभागों के अधिकारीयों को जिला में सड़क के निर्माण कार्य और टूटी-फूटी सड़को के मरम्मत के कार्य को निर्धारित समयाविधि में पूरा करने के आदेश दिए। उपायुक्त विक्रम सिंह ने मंगलवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में मानसून में जल भराव की समस्या के समाधान तथा सड़कों के मरम्मत कार्य, ड्रेनों की सफाई के कार्य की समीक्षा करते हुए यह बात कही। जिला में जहां भी सड़के टूटी हुई है उनके मरम्मत कार्य को शीघ्र से शीघ्र पूरा करें व गड्ढों को भी भरे। बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या से आम नागरिकों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है तथा जल भराव के कारण सड़के टूटने की वजह से यातायात काफी मुश्किल हो जाता है। जिला में पानी की निकासी सुनिश्चित करने के लिए एनएचएआई, नगर निगम, स्मार्ट सिटी, एफएमडीए, पीडब्ल्यू सहित अन्य सभी सम्बंधित विभाग आपस में मिलकर कार्य करें। उपायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को जल निकासी के सभी चैम्बर्स की साफ़ सफाई कराने व उनकी मरम्मत करने के आदेश दिए। ड्रेनों और नालों की सफाई करवाए। नहर पार बिल्डर कालोनियों, इंस्टीटूशन के सीवर का गन्दा पानी कहां जाता है। सीवर के कनेक्शन चालु है या नहीं। गंदा पानी सड़को पर ना बहाया जाए और अगर ऐसा कोई ऐसा करता है तो उसके खिलाफ तुरंत कार्यवाही की जाए। उन्होंने बिन्दुवार समीक्षा करते हुए सभी विभागों को आदेश दिए की बैठक में रखे गए बिन्दुओं सहित अन्य बिन्दुओं को चिन्हित कर जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जाए। सभी विभागों के अधिकारियों को निरंतर स्पॉट इंस्पेक्शन करने के निर्देश भी दिए। जिससे समय पर ही समस्या को चिन्हित कर उसका समाधान किया जा सके। बैठक में एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर वी.के जोशी, नगर निगम से अधिकारी सुशील, डीडीपीओ राकेश, पीडब्ल्यूडी, एफएमडीए तथा एचएसवीपी सहित अन्य सम्बंधित विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

30 जुलाई को जेजेपी की पृथला के गांव मोहना में रैली-डॉ अजय चौटाला

Faridabad/Alive News

सोनीपत लोकसभा की कामयाब रैली के बाद अब जननायक जनता पार्टी फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र की रैली की तैयारी में जुट गई है। जेजेपी 30 जुलाई रविवार को फरीदाबाद लोकसभा की रैली करेगी। यह रैली पृथला विधानसभा क्षेत्र के गांव मोहना में होगी। इसकी घोषणा जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने की। वे वीरवार को फरीदाबाद में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को रैली की तैयारी को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा कि साल 2024 में होने वाले चुनाव की तैयारियों को लेकर जेजेपी ने मिशन 2024 शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों में रैली करने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में सोनीपत लोकसभा की जुलाना में कामयाब रैली हुई है और अब फरीदाबाद लोकसभा की रैली को कामयाब बनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ता दिन-रात एक कर दें क्योंकि प्रजातंत्र में जन शक्ति ही सबसे बड़ी शक्ति होती है। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सभी कार्यकर्ता एकत्रित होकर संगठन की मजबूती के लिए काम करें तथा घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर बूथ पर एक मजबूत बूथ योद्धा, एक मजबूत बूथ सखी और मजबूत बूथ एजेंट बनाए ताकि बूथ स्तर पर पार्टी को और मजबूती मिले। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन मजबूत होने से पार्टी के मिशन-2024 को कोई नहीं रोक सकता। वहीं जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष सरदार

निशान सिंह ने कहा कि पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आपसी तालमेल के साथ संगठन को ताकत दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला निरंतर जनहित में कार्य कर रहे है। निशान सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता उपमुख्यमंत्री द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों को आमजन से अवगत करवाएं।

इस दौरान एससी सेल के प्रदेश अध्यक्ष रमेश खटक, पूर्व मंत्री चौधरी हर्ष कुमार, फरीदाबाद जेजेपी जिला अध्यक्ष कृष्ण जाखड़, पलवल जिला अध्यक्ष देवेंद्र सौरोत ने भी बैठक को संबोधित किया।

उद्यान विभाग द्वारा ग्राम स्तरीय जागरूकता कैम्प आयोजित

Faridabad/Alive News

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. रमेश कुमार जिला उद्यान अधिकारी, फरीदाबाद द्वारा गांव- पन्हेड़ा खुर्द व विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारीयों द्वारा गाँव-लधियापुर व नगला गुजरान में ग्राम स्तरीय जागरूकता कैम्प आयोजित किये गये।

इस जागरूकता कैम्प में गाँवों के सरपंच/पंचायत प्रतिनिधि शामिल रहें व योजनाओ का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया है। इन जागरूकता कैम्पस में मेरी फसल मेरा ब्यौरा, मेरा पानी मेरी विरासत, मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना, भावान्तर भरपाई योजना व विभागीय योजनाओं के पंजीकरण करने हेतू व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने व जल शक्ति अभियान के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी गई। उक्त कैंपस में बागवानी अधिकारियों द्वारा किसानों को विभागीय योजनाओं से रूबरू करवाया गया। सरकार द्वारा किसानों की आय को दोगुना करने के लिए उद्यान विभाग हरियाणा सरकार द्वारा योजना चलाई गई है। जैसे- विभाग की गाईडलाईन अनुसार कार्य करने पर निम्बू, अमरूद, बेर का बाग लगाने पर किसानों को 30000/- रू प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों को प्रदान की जाएगी।

बेल वाली सब्जियों की खेती पर किसानों (जनरल व बी.सी.) को 15000/- रू प्रति एकड व एस.सी. वर्ग के किसानों के लिए 25000/- रू अनुदान राशि किसानों को प्रदान करने का प्रावधान है। बेल वाली सब्जियों पर बांस स्टेकिंग लगाने पर किसानों (जनरल व बी.सी.) को 31250/-रू प्रति एकड़ व एस.सी. वर्ग के किसानों के लिए 53125/- रू अनुदान राशि किसानों को प्रदान करने का प्रावधान है। इस प्रकार की विभिन्न योजना हरियाणा सरकार के द्वारा किसानों के हित मे चलाई है। सभी योजना पहले आओ पहले पाओ आधार पर दी आधारित है।

डॉक्टर्स डे : सरकारें डॉक्टरों की सुरक्षा पर दे ध्यान

Faridabad/Alive News

भारत में हर साल 1 जुलाई को डॉक्टर दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर दिवस डॉक्टर को सम्मान देने के उपलक्ष जाता है। यह 1991 से मनाया रहा है। डॉक्टर अपने मरीज की जान बचने के लिए बहुत कुछ करते है। डॉक्टर और मरीज के बिच रिश्ते अच्छे होने चाहिए। लकिन आज के समय देखा जा रहा है की हिंसा की वारदाते बढ़ती जा रही है। डॉक्टर दिवस हर साल डॉक्टरों को सम्मान देने के उपलक्ष में मनाया जाता है। नेशनल डॉक्टर्स दिवस डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय को समर्पित किया जाता है ताकि मरीज अपने डॉक्टरों को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दे सकें। डॉक्टर और रोगी के बीच रिश्ते अच्छे होने चाहिए, लेकिन ये समय के साथ कम होते जा रहे हैं और हिंसा की वारदाते भी बढ़ती जा रही है। डॉक्टर अपने रोगी की सेवा अच्छे भाव से करता है रोगी को स्वस्थ करने के लिए अच्छी सेवा प्रदान करते है ताकि रोगी जल्द से जल्द स्वस्थ हो सके।

क्या कहना है डॉक्टर का

डॉक्टर्स डे पर डॉक्टर-मरीज़ के रिश्तों की बड़ोतरी और डॉक्टरों के विरुद्ध हिंसा की कमी बारे में अपने विचार आपके साथ साझा करना चाहता हूं। हमारी सरकार से मांग है की जो भी व्यक्ति सरकारी अधिकारी डॉक्टर के साथ अभद्र व्यवहार करते है उनके खिलाफ सख्ती से कानूनी कार्यवाही की जाये न की डॉक्टर के साथ कार्यवाही की जाये। क्योंकि डॉक्टर अपना काम बड़ी श्रद्धा से करते है, रोगी को अच्छी सेवा प्रदान करते है। डॉक्टर का काम रोगी को जीवन बचाने का होता है और डॉक्टर अपने रोगी को अच्छी सेवा प्रदान करते है।

डा सुरेश अरोडा, पूर्व प्रधान, आईएमए

1500 गज पार्क की जमींन को भूला नगर निगम, लोगों ने किया कब्जा

Faridabad/Alive News

नगर निगम की सरकारी जमींन पर अवैध कब्जे हटाने को लेकर जे और के ब्लॉक के लोगो ने आपत्ति जाहिर करते हुए। नगर निगम आयुक्त को शिकायत दे कर पार्क की 1500 गज जमींन को कब्जा मुक्त कराने के लिए शिकायत दी है। वहा के निवासियों ने जमींन को कब्जा मुक्त कराने के लिए सीएम विंडो, एस डी एम बड़कल पुलिस आयुक्त फरीदाबाद को भी शिकायत दी है।

स्थनिय निवासी इसको लेकर चार महीने पहले भी निगम आयुक्त को शिकायत दे चुके है लेकिन नगर निगम पार्क की जमींन को खाली कराने में कोई रुचि नहीं दिखा रहा, अब लोगो ने फिर से नगर निगम में रिमाइंडर दिया है। नगर निगम की 1500 गज जमींन पर लोगो ने मकान बना लिये है और उनमे बिजली पानी के अवैध कनेक्शन ले लिए है। लोगो का आरोप यह है कि संजय समोसा वाली गली में नगर निगम की जमींन ब्लॉक के मकान नम्बर 3ए से लेकर 2ए के बीच में है। जिस पर कब्जा कर व्यवसायिक व रहियाशी निर्माण बनाये हुए है जिनमे से गंदा पानी सड़क पर बहाया जा रहा है। गंदे पानी की वजह से दिनभर बदबू आती रहती है। लोगो का गली से पैदल निकलना मुश्किल हो रहा है। आस पास के लोगो को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगो का कहना है कि प्रशासन अपनी जमींन खाली कराये और स्थानीय लोगो को जमींन देते समय पार्क की सुविधा दी गई थी वो पार्क की जमींन कब्जा मुक्त कराकर फिर से यहां पार्क बनाया जाये।

जीवा स्कूल में 'हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट' पर वेबिनार

Faridabad/Alive News

सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में बुधवार को नौवीं कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए एक वेबिनार रखा गया गया। वेबिनार में छात्रों को'हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट' में भविष्य निर्माण और सफलता प्राप्त करने के लिए व व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय होटल प्रबंधन संस्थान (आईआईएचएम) के सहयोग से सीआईएससीई द्वारा 'आतिथ्य प्रबंधन में कैरियर के अवसर' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला बुधवार को जीवा पब्लिक स्कूल के सभागार में ऑनलाइन मंच के माध्यम से आयोजित की गई। इस कार्यशाला के मुख्य परिचालन अधिकारी अब्दुल्ला अहमद अतिथि वक्ता रहे, जिन्होंने इच्छुक छात्रों को संबोधित किया। कार्यशाला ने उन छात्रों को आकर्षित किया जो होटल और आतिथ्य क्षेत्र में करियर बनाने में रुचि रखते हैं। उनका मुख्य उद्देश्य छात्रों के कौशल विकास को उजागर करना था, क्योंकि कौशल उद्योग आज के दौर में तेजी से बढ़ रहा है।

अहमद ने विमानन, वाइनयार्ड्स, क्रूज़ लाइन, इवेंट के साथ-साथ सुविधा प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अवसरों की ओर एक नई दिशा प्रदान की। उनके अनुसार लोग छुट्टियां बिताने के लिए और छुट्टियों को यादगार बनाने के लिए घूमने जाते हैं तो ऐसे में उन्हें एक अच्छे होटल की आवश्यकता होती है। अत- एक होटल व्यवसायी का कार्य बहुत महत्वपूर्ण होता है। जहां वे 365 दिन 24ङ्क7 घंटे काम करते हैं।

इस वेबिनार से विद्यार्थियों ने इस क्षेत्र में अपना ज्ञान बढ़ाया और आतिथ्य उद्योग और इसके उभरते रुझानों को समझा। इस वेबिनार के माध्यम से छात्रों को मूल्यवान अंतर्दृष्टि, व्यवहारिक सुझाव और वास्तविक जीवन से परिचित किया गया। साथ ही उन्हें इस क्षेत्र में अध्ययन के अवसर प्रदान किए गए, जिससे छात्रों में क्षेत्र के लिए समझ एवं रुचि उत्पन्न हो और वे इसमें अपना भविष्य निर्माण कर सकें। इस वेबिनार के उपरांत छात्रों ने आतिथ्य उद्योग की चुनौतियों, रुझानों और सफलता सहित आवश्यक तत्वों को भी समझा।

यह वेबिनार छात्रों को आगे बढने और भविष्य के लिए तैयार करने में सक्षम बनाएगा।

सतयुग दर्शन ट्रस्ट में चिकित्सा शिविर आयोजित

Faridabad/Alive News

मानव सेवा में समर्पित सतयुग दर्शन ट्रस्ट के सौजन्य से ग्राम भूपानी में सतयुग दर्शन चैरिटेबल डिस्पेन्सी में निःशुल्क जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जाने-माने सामान्य रोग विशेषज्ञ डा.अमरनाथ, डा. धवन, स्त्री रोग विशेषज्ञा डा. उर्वशी सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डा. शाइना, बाल रोग विशेषज्ञ डा. पूनम कोहली, प्राकृतिक चिकित्सक डा. सुदेश पाहवा व उषा उपस्थित रही। यह शिविर सुबह 9 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक चला। शिविर का शुभारम्भ सतयुग दर्शन ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी रेशमा गांधी ने किया। उनके साथ सतयुग दर्शन ट्रस्ट के मार्गदर्शक सज्जन जी भी उपस्थित रहे। इस शिविर का सैकड़ों स्थानीय ग्राम वासियों ने भरपूर लाभ लिया। इस शिविर में सभी लोगों के टेस्ट मुफ्त किए गए और साथ ही उन्हें मुफ्त दवाईयां दी गई। सतयुग दर्शन में समय समय पर मुफ्त आँखों के आप्रेशन कैम्प व प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया जाता है। सतयुग दर्शन ट्रस्ट ने अभी कुछ समय पूर्व ही अपने परिसर में नवीनतम सुविधाओं से सुसज्जित सतयुग दर्शन सुखधाम नामक प्राकृतिक चिकित्सालय का शुभारंभ किया है। इसके अतिरिक्त नजदीक ही ग्राम महावतपुर में ट्रस्ट ने गरीब बच्चों के लिए एक सतयुग ग्राम शिक्षा केन्द्र भी खोला है जिसमें दसवीं तक के विद्यार्थियों को सभी विषयों की तथा कम्प्यूटर की शिक्षा मुफ्त दी जाती है।

श्री सिद्धदाता आश्रम पहुंचे हजारों भक्तों ने की कृतज्ञता प्रकट

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड रोड स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम में श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दूसरे दिन हजारों भक्तों ने गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। इस अवसर पर श्री गुरु महाराज स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने कहा कि आप लायक शिष्य बनें। एक लायक शिष्य के जीवन में शंकाएं शेष नहीं रहती हैं। आश्रम के अधिष्ठाता जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने कहा जिसने गुरु को मान लिया, उसने पा लिया। गुरु के रूप में भगवान की कृपा ही जीव को प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि उनको उनकी मनचाही वस्तु या स्थिति प्राप्त क्यों नहीं हो रही है, लेकिन गुरु जानते हैं कि वह आपको प्राप्त होगी या नहीं, या कितनी और कब प्राप्त होगी। इसलिए इस बारे में संशय न करें कि हमें तो लाभ ही नहीं होता है। उन्होंने कहा कि गुरु आपके जीवन में वह होने देंगे तो आपके लिए अच्छा होगा आपको केवल उनकी बात पर विश्वास करना है और दिया गया नाम जीवन में जपना है। उन्होंने कहा कि यह बात सत्य है कि भगवान स्वयं भी अपने बनाए नियमों में बंधे हुए हैं लेकिन गुरु उन नियमों के बंधन खोल सकते हैं लेकिन यह उस शिष्य के लिए करेंगे, जो उनका लायक शिष्य होगा। स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने कहा कि गुरु पहले अपने शिष्य के जीवन के पुराने प्रारब्धों को काटते हैं उसके बाद वह पुण्य फल प्रदान करते हैं। इसलिए प्रारम्भ में लगता है कि हमारे साथ कुछ बुरा हो रहा है लेकिन इसके बाद जीवन में आनन्द पाते हुए जीव इस आवागमन से मुक्त हो जाता है। इससे पहले उन्होंने श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम एवं श्री स्मृति स्थल पर भी पूजन किया और संस्थापक वैकुंठवासी स्वामी सुदर्शनाचार्य जी महाराज के समक्ष लोककल्याण के लिए प्रार्थना की। समारोह में जयपुर से आए मशहूर

गायक एवं गुरुभक्त लोकेश शर्मा ने अपने सुमधुर भजनों से भक्तों को जमकर झुमाया। उनके भजन सेवा और सुमिरन से शरणागति पाओगे, गुरुवचन जो मानोगे भव से तर जाओगे को भक्तों ने बहुत पसंद किया। भक्तों ने श्री गुरु महाराज से प्रसाद एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं सभी के लिए भोजन प्रसाद एवं अनेक छबीलों पर भी प्रसाद की व्यवस्था रही। आश्रम परिसर में सात जुलाई को विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया होगा जिसमें एसएसबी अस्पताल के चिकित्सक लोगों के स्वास्थ्य की जांच करेंगे।

8 किसानों को खेती करने के लिए 50 प्रतिशत अनुदान पर एडीसी ने सौंपे ट्रैक्टर

Faridabad/Alive News

एडीसी अपराजिता ने 8 किसानों को खेती करने के लिए 50 प्रतिशत अनुदान पर ट्रैक्टर सौंपे। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुना करने के लिए कारगर कदम क्रियान्वित कर रही है। बता दें कि 08 लाभार्थी किसानों का चयन अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यकारीणी कमेटी द्वारा ऑनलाईन ड्रा के माध्यम से किया गया था। किसानों द्वारा ट्रैक्टर खरीदने उपरान्त कृषि एंव किसान कल्याण विभाग हरियाणा के विभाग के पोर्टल http://www.agriharyana.gov.in/ पर ऑनलाइन बिल अपलोड कराने वाले किसानो के ट्रैक्टरो का भौतिक सत्यापन करके अतिरिक्त उपायुक्त द्वारा गठित जिला स्तरीय कार्यकारीणी कमेटी की देखरेख में लघु सचिवालय में किया गया। इंजी. श्याम सुन्दर, कृषि विकास अधिकारी (कृषि यन्त्र), ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा स्कीम एस. बी0-89 के तहत वर्ष 2022-23 मे अनुसूचित जाति के किसानों को ट्रैक्टरो पर 50 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध करवाने के लिए 10-01-2022 तक सरल पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन आमन्त्रित किए गए थे। जिला फरीदाबाद में कुल 8 ट्रैक्टर का लक्ष्य निर्धारित था। जिस के लिए 69 सफल आवेदन प्राप्त हुए थे। इंजी. श्याम सुन्दर ने आगे बताया कि इस दौरान 08 ट्रैक्टरो का भौतिक सत्यापन कमेटी के सदस्यों में अतिरिक्त उपायुक्त, उप कृषि निदेशक के प्रतिनिधि संगीता मल्होत्रा (विषय विशेषज्ञ), डा0 राजेन्द्र कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र (भोपानी) व प्रगतिशील किसान ठाकर दास द्वारा ट्रैक्टरो का भौतिक सत्यापन किया गया।

उन्होने बताया कि ये ट्रैक्टर अनुसूचित जाति के किसानों की आय बढाने में सहायक होगें। इस दौरान उन्होने किसानो को खेती में आधुनिक कृषि यन्त्रो का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

यमुना में फंसे 78 लोगों को रेस्क्यू कर शेल्टर होम पहुंचाया

Faridabad/Alive News

उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि उन्हें देर रात जिला फरीदाबाद के अमीपुर गांव में यमुना में फंसे 78 लोगों के फसे होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होते ही प्रातः 2 बजे जिला प्रशासन व एनडीआरएफ की आपातकालीन बैठक बुलाई गयी। बैठक में उन 78 लोगों को रेस्क्यू करने का खाका तैयार कर जल्द से जल्द मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए गठित टीम में एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल, तहसीलदार सुरेश कुमार, नायब तहसीलदार तिगांव अजय कुमार व एसएचओ तिगांव दलबीर सिंह शामिल रहे। उन्होंने आगे बताया कि पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन में औरतों व बच्चों समेत कुल 78 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में नोएडा प्रशासन की भी मदद ली गई। यह ऑपरेशन सुबह 6 बजे ख़त्म हुआ व सुरक्षित बाहर निकाले गए लोगों को अमीपुर गांव के शेल्टर होम में रखा गया है व रहने-खाने की व्यवस्था कर दी गई है। भारी बरसात के कारण प्रदेश के विभिन्न जिलों तथा देश के अन्य भागों में बाढ़ जैसी समस्या उत्पन्न हो गयी हैं। जिला प्रशासन व पुलिस विभाग किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर है तथा लगातार बाढ़ नियंत्रण व जलभराव के कारण विस्थापित हुए लोगों के रहने व खाने की व्यवस्था की जा चुकी है। जिला फरीदाबाद के लिए फ्लड कंट्रोल रूम सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय में डीआरओ कार्यालय में स्थापित किया गया है। आमजन बाढ़ या किसी अन्य जानकारी प्राप्त करने या सूचना देने के लिए टेलीफोन नंबर 0129-2227937 पर संपर्क कर सकते हैं व मदद भी मांग सकते हैं। जिन लोगों की बस्तियां यमुना नदी के तट पर है वह उन्हें खाली कर अपने किसी जान पहचान वाले के यहाँ चले जाएं या प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर रहने व खाने की जो व्यवस्था की गयी है, उसका सहारा लें ताकि वे सुरक्षित रह सकें।

डीसी विक्रम सिंह ने लोगों से की अपील करते हुए कहा कि वे यमुना के नजदीक न जाएँ। अन्यथा बढ़ते जल स्तर के कारण उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। जहां यमुना का पानी आबादी के इलाकों में आ रहा है। उन लोगों की प्रशासन द्वारा हर संभव मदद की जाएगी। खेतों में रह रहे लोग अपने सामान तथा पशुओं को किसी अन्य स्थान पर ले जाएं।

Triumph Hyundai में लांचिंग से पहले ही नई माइक्रो SUV EXTER कार की बुकिंग की भरमार

Faridabad/Alive News

वाईएमसीए चौक स्थित Triumph Hyundai कार शोरूम पर सोमवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्य के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के बड़े भाई टिप्पर चंद्र शर्मा और कंपनी के एम.डी अभिषेक गुप्ता ने हुंडई की नई माइक्रो एसयूवी एक्स्ट्र का कपड़ा हटाकर और केक काटकर लांचिंग की। इस अवसर पर नई कार की खूब सराहना की जा रही है और शोरुम के मालिक और प्रबंधक और स्टाफ सदस्यों को बधाई देते हुए टिप्पर चंद्र शर्मा ने कहा कि कार जनता को पसंद आएगी और मार्केट में ऐसे ही किफायती फिचर की गाडियों की मांग है जो सुरक्षा की दृष्टि से बेस्ट है। इस अवसर पर कंपनी के एम.डी अभिषेक गुप्ता ने लांचिंग पर आए अतिथियों का बुके और तस्वीर भेंट कर स्वागत किया। कंपनी के सेल्स मैनेजर आनंद कोठारी ने कहा कि हुंडई की नई कार एक्स्ट्र नए फीचर्स के साथ मार्केट में आई है, इसका सीधा मुकाबला टाटा की पंच और मारुति की फ्रोंक्स से होने वाला है। उन्होंने कहा कि कम्पनी ने यह कार मध्यमवर्गीय परिवार के ग्राहकों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। एक्स्ट्र का बेस मॉडल 5.99 लाख से शुरू होकर टॉप मॉडल 9.33 लाख तक है। नई कार में 6 एयर बैग, क्रूज कंट्रोल, 8 इंच का एचडी टचस्क्रीन सिस्टम, एंड्रायड ऑटो और एप्पल कार प्ले के साथ ढेरों फिचर है। टीम लीडर प्रवेश मेहरा ने बताया कि नई माइक्रो एसयूवी एक्स्ट्र कार पेट्रोल इंजन के साथ-साथ सीएनजी वेरिएंट में भी उपलब्ध है। यह कार 7 वेरिएंट के साथ 9 कलर आप्शन में भी उपलब्ध है। इतना ही नही कार में एएम और एएमटी वेरिएंट भी उपलब्ध है। इस अवसर पर Triumph Hyundai के शोरूम पर माइक्रो एसयूवी एक्स्ट्र को देखने आये ग्राहकों ने नई एक्स्ट्र को वैल्यू फॉर मनी बताया। इस अवसर पर निवर्तमान पार्षद दीपक यादव, अशोक शर्मा, प्रियम, कंपनी के सेल्स हेड रमन झा, एचआर मैनेजर वीर सिंह व अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

D.A.V. school Organized workshop on promoting inclusivity

Faridabad/Alive News

UNICEF believes in the inclusionand equal rights of children with special needs. D.A.V. Public School, Sector-37, Faridabad under the guidance of its empathetic Principal, Ms. Deepti Jagota also promotes the principles of inclusion, a rights-based approach and supportive environment toeach student. The goal is to ensure that children with disabilities receive special care, support, and services to fully participate and be included in society.

The Principal of the school feels that every child brings something special to the world. So under her guidance a workshop on the topic "Fostering inclusivity in school" was held on June 26, 2023 in the school premises. Special Educator of the school, Ms. Sunena Dewan conducted the workshop along with very special and enthusiastic guest speakers Ms. Rashel Dahiya and Ms. Mudita Jagota, Ms. Rashel Dahiya is Masters in Applied psychology and Special Education and Ms. Mudita Jagota is Certified Rehabilitation Counselor from U.S.A.

The workshop was aimed to promote inclusive practices and equip teachers with the latest tools and skills to create more sensitized inclusive learning environment. The workshop covered topics such as understanding inclusive education principles, identifying learning needs, creating inclusive classrooms, developing individualized education plans, using inclusive teaching strategies, and building inclusive communities. It resulted in increased awareness and understanding among teachers, enhanced teaching practices, improved collaboration, and a positive learning environment for students with special needs. Overall, the workshop was a significant step towards fostering inclusivity within the school community.

To avoid academic absenteeism and discrimination, inclusive education is the need of the time. Ms. Mudita Jagota emphasised on catering to individual learning styles. According to her every child has unique characteristics, interests, abilities and learning needs. The workshop indeed was very interesting and fruitful.

सभी डीडीओ कर्मचारियों का डाटा एनपीएस पोर्टल पर अपडेट करें : संजय सिंह छौंकर

Faridabad/Alive News

जिला खज़ाना अधिकारी संजय सिंह छौंकर ने बताया कि जिला खजाना कार्यालय फरीदाबाद द्वारा आज बुधवार को सेक्टर-16, राजकीय महिला महाविद्यालय के सभागार में जिला के सभी आहण एवं वितरण अधिकारी (डीडीओ) की न्यू पेंशन स्कीम के बारे में एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो सत्रों में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर के प्रथम सत्र में जिला खजाना विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी डीडीओ व सायं सत्र में बल्लभगढ़ उप-खजाना कार्यालय के डीडीओ का प्रशिक्षण करवाया गया। कार्यशाला में महानिदेशालय खजाना एवं लेखा विभाग हरियाणा चंडीगढ़ के एनपीएस नोडल अधिकारी रमेशचंद सैनी की अध्यक्षता में प्रोटीन ई-गवर्नमेंट टेक्नोलॉजी लिमिटेड (सीआरए-एनएसडीए) मुंबई के प्रबंधक राकेश चौहान ने कार्यशाला में मौजूद एनएसएन के प्रा राकेश सहित सभी डीडीओ को नयी पेंशन योजना के अंतर्गत सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा योजना के अंतर्गत किए जा रहे अंशदान, रिटायरमेंट के पक्षात पेंशन निकालने की प्रक्रिया. रिटायरमेंट से पूर्व कर्मचारी की मृत्यु होने पर पेंशन निकालने के

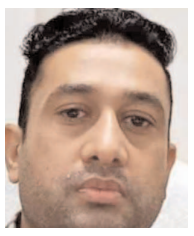

प्रावधानों सहित अन्य संबंधित विषयों बारे विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नई पेंशन योजना के तहत यदि कोई कर्मचारी नौकरी में आने के पश्चात शादी करता है तो उसका वैवाहिक डाटा एनपीएस पोर्टल पर अपडेट अवश्य करें, ताकि रिटायरमेंट के समय नोमिनी से संबंधित परेशानी न आए। इसके साथ-साथ बैंक अकाउंट की आईएफएससी कोड सहित अन्य जानकारियां भी अपडेट रखी जाएं। कर्मचारी आवश्यकता पड़ने पर एनपीएस से अपना पैसा परे कार्यकाल के दौरान तीन बार आंशिक रूप में निकाल सकता है। कर्मचारी की मृत्यु होने की स्थिति में नॉमिनी को पेंशन का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर (सी आर ए- एनएसडीएल) मुम्बई के प्रबंधक राकेश चौहान ने कार्यशाला में मौजूद सभी डीडीओ को संबोधित किया। इस अवसर पे ख़ज़ाना कार्यालय से जुनियरप्रोग्रामर नवीन कुमार, सहायक वीरेंद्र कुमार, ट्रेज़री एनपीएस डीलिंग दीपक कुमार मौजूद रहे।

Manav Sanskar School celebrated Van Mahotsav

Faridabad/Alive News

Manav Sanskar Public School celebrated Van Mahotsav with great zeal and enthusiasm. The day began with planting the saplings by the students in the school's nearby locality. The students showed eagerness towards planting the trees despite of scorching heat. Students also made the people aware about the rising importance of conserving nature by saving trees. Students show their talent by different slogans, poems etc. The curiosity to learn and the will to create a change was clearly seen among the students.

The prominent personality (Retd.) Air Marshal Mr. L.N. Sharma (AVSM) along with Mr Manmohan Dutt and Mrs Poonam Mittal became our chief guests and made this event more graceful and knowledgeable. Appreciation certificates were also awarded to students who showed their extra efforts during this program. The chief guest Mr. L.N. Sharma motivated the students to work selflessly and encourage others to adopt 'Go Green' theme in their lives. He encour-

aged teachers to upgrade skills & adopt new teaching techniques according to NEP. The Director Mr Yogesh Sharma, the mentor Mrs Rama Kaul and the Principal Dr. Kaumudi Bhardwaj also appreciated students for the role played by them in planting and tending of trees in preventing global warming which is a serious concern nowadays to save our mother earth.

सब कुछ ठीक है तो मान्यता का नवीनीकरण कराने से क्यों डर रहे हैं निजी स्कूल संचालक-मंच

Faridabad/Alive News

हरियाणा शिक्षा नियमावली के नियम के तहत स्थाई मान्यता वाले सभी निजी स्कूलों को 10 साल बाद अपनी मान्यता का नवीनीकरण कराना जरूरी है। इसी नियम की पालना में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी निजी स्कूल संचालकों को निर्देश दिया है कि वे स्थाई मान्यता की समीक्षा कराएं और ऑनलाइन फार्म-2 पर मांगी गई सभी जानकारी सही व ठीक प्रकार से भरकर जमा कराएं ताकि मान्यता का नवीनीकरण किया जा सके। इसके साथ ही चेयरमैन सीबीएसई व हरियाणा बोर्ड को पत्र भेजकर कहा गया है कि बगैर समीक्षा के किसी भी स्कूल की आगे मान्यता न बढ़ाई जाए। स्कूल संचालक शिक्षा निदेशालय के इस निर्देश का विरोध कर रहे हैं और मंत्री, सांसद, विधायकों के माध्यम से अपना विरोध पत्र मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री तक पहुंचा रहे हैं। स्कूल संचालकों के विरोध पर हरियाणा अभिभावक एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ओ. पी शर्मा व प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने कहा है कि स्कूल संचालक हमेशा यह दावा करते हैं कि वे सीबीएसई व हरियाणा शिक्षा नियमावली के सभी नियम कानूनों का पालन कर रहे हैं तो अब वे शिक्षा नियमावली के इस नियम का विरोध क्यों कर रहे है और सब कुछ ठीक है तो मान्यता का नवीनीकरण कराने से क्यों डर रहे हैं। मंच का कहना है कि स्कूल संचालक हर उस नियम व आदेश का विरोध करते हैं और उसको नहीं मानते हैं जो उनके हितों के खिलाफ होता है या जिनकी वजह से उनके नियम विरुद्ध कार्यों की पोल खुलती है। कैलाश शर्मा ने कहा है कि बैंक में भी खाताधारकों से कई बार केवाईसी फार्म पर ब्यौरा मांगा जाता है जिसे खाताधारक देते हैं। अब केंद्र सरकार ने 10 साल पुराने हो चुके आधार कार्ड होल्डरों से आधार कार्ड का नवीकरण कराने को कहा है जिसे लोग करा रहे हैं। जब एक आम आदमी सभी नियम कानूनों का पालन करता है तो प्राइवेट स्कूल संचालकों को भी सभी नियमों का पालन करना चाहिए। मंच के प्रदेश संरक्षक सुभाष लांबा व लीगल एडवाइजर एडवोकेट बी.एस विरदी ने कहा है कि हरियाणा सरकार ने स्कूल संचालकों के दबाव व सांसद, विधायकों की सिफारिश पर अगर शिक्षा नियमावली में संशोधन करके 10 साल बाद मान्यता का नवीनीकरण कराने के नियम को बदला तो इसके खिलाफ पंजाब एंड हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की जाएगी।

CBSE Capacity Building Progarmme for Teachers on Learning Outcomes and Pedagogies at FMS

Faridabad/Alive News

CBSE Capacity Building Progarmme on Learning Outcomes and Pedagogies was organized at Faridabad Model School, Sector-31. Dr. Anshu Arora, Principal, Amity International School, Sector-43, Gurugram and Dr. Neha Sharma, Principal GD Goenka Public School, Ghaziabad were the resource people for the session. The dignitaries lit the lamp to start the programme.

Dr. Neha Sharma commenced the workshop by asking if the teachers knew anything about learning outcomes and is it executed in their schools. Relevant subjects like Teachers Learning Cycle, Define intended learning outcomes, Instructional practices in classroom, Measure learning out-

comes, Reflection were explained. The session revolved around the major difference between the learning outcomes and learning objectives, understanding of Bloom's Taxonomy of Education, its objectives and outcomes. This was followed with an Activity Based Learning experience for all the attendees. She motivated the participants to actively participate and share their view points and experiences.

Dr. Anshu Arora then took forward the workshop by explaining the ways of identifying domain and cognitive levels of educational outcomes. She then conducted an activity where she asked the participants to rate the domain and cognitive level of educational outcomes. Teachers from various schools participated in a host of activities and gained insight regarding the teaching methodologies and skills, abilities, attitudes that students are expected to attain by the end of a learning experience or program of study.

The session concluded with felicitation of the resource persons by Director Principal, FMS, Mr. Umang Malik. He also thanked the attendees for their active participation during the session.

DAV NH-3 celebrated World Paper Bag day

Faridabad/Alive News

DAV NH-3, NIT celebrated World paper bag day on July 12, 2023 (Wednesday) in which children were made aware about the harmful effect of plastic bags on the environment. To create awareness among the young DAVIANS the day was observed through various activities. The little ones of LKG to II made newspaper bags in different designs with biodegradable materials. The slogan of 'Say No to plastic bags' was encouraged as a messaging on these bags. Posters promoting reducing usage of plastic and its harmful effects on the environment were pasted on school notice boards. All the students participated in this event with full zeal and enthusiasm. Apart from this, different creative slogans were given to promote for less use of plastic. On this occasion, Principal Ms Jyoti Dahiya said, "Through our Paper Bag Day activity, the students were made aware of the things that pollute the environment, so that the students get the right knowledge and become responsible citizens. Such programs organized for the students help us in highlighting their talent".

25 जुलाई से सतयुग दर्शन में निःशुल्क अंतरराज्यीय सांगीतिक प्रतियोगिता का आयोजन

Faridabad/Alive News

सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र द्वारा निःशुल्क अंतरराज्यीय सांगीतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कक्षा सातवीं से कक्षा बारहवीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता देशभक्ति एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित गीतों पर आधारित होगी।

प्राचार्य दीपेंद्र कांत ने बताया कि विद्यार्थी जीवन में संगीत का अहम स्थान है इसके माध्यम से विद्यार्थियों को शारीरिक व मानसिक रोगों व व्याधियों से मुक्ति प्रदान करता है। संगीत की तीनों धाराएं गायन, वादन व नृत्य ना केवल स्वर ताल व लय की साधना है बल्कि एक योगिक क्रिया है। जिससे शरीर मन व प्राण तीनों में शुद्धता और चेतनता आती है। अतः विद्यार्थियों के हित हेतु यह

प्रतियोगिता आयोजित की जा रही हैं।

इस प्रतियोगिता में सभी स्कूल बढ़ चढ़कर भाग लें, साथ ही यह भी बताया कि उपरोक्त प्रतियोगिता दस शहरों में आयोजित की जा रही हैं जिनमें फ़रीदाबाद, दिल्ली, पानीपत, कुरुक्षेत्र, अम्बाला, रेवाड़ी, रोहतक, गुरुग्राम, मोरादाबाद एवं बरेली आदि। प्रत्येक शहर से जो स्कूल जिले स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करेगा, उनके बीच 11 अगस्त 23 को सतयुग दर्शन सभागार में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसका सीधा प्रसारण कई यू ट्यूब चैनल्स पर भी किया जाएगा।

सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र की संपूर्ण भारत में 19 शाखाएं हैं और सभी शाखाएं प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद से मान्यता प्राप्त हैं। इनमें कुशल अध्यापकों द्वारा अनेकों विद्यार्थियों को शास्त्रीय संगीत की विद्या दी जा रही है। बच्चों का उत्साहवर्धन हेतु प्रथम स्थान हासिल करने वालों को 51 सौ रूपए, द्वितीय स्थान हासिल करने वाले को 31 सौ रूपए एवं तृतीय स्थान हासिल करने वालों को 21 सौ रुपए पुरुष्कार के स्वरूप दिए जाएंगे।

यह भी कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से ना केवल आपके मन, बुद्धि और विवेक का संचालन ठीक दिशा में होता है बल्कि ऐसी प्रतियोगिता में भाग लेने से अपनी सकारात्मक ऊर्जा का सही इस्तेमाल कर सकते हैं इससे ना केवल आप अपने माता पिता, विद्यालय बल्कि अपने देश का नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा सकते हैं।

अब तक लगभग ढाई हजार लोगों का जिला प्रशासन ने किया रेस्क्यू, सभी सुविधाएं अलर्ट पर

Faridabad/Alive News

शहर में यमुना के बढ़े जलस्तर के बाद आस-पास के गांवों में जिला प्रशासन गंभीरता से लोगों की मदद कर रहा है। यमुना से सट्टे इलाकों के सभी गांवों के लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त किये गए है। एक रात में लगभग ढाई हजार से अधिक लोगों का रेस्क्यू एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम किया। इससे पहले भी अलग-अलग स्थानों से 1500 लोगों को रेस्क्यू किया है। वहीं दूसरी ओर भोपानी गौशाला से गाय और यमुना के क्षेत्र में मौजूद पालतू मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर लाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। शुक्रवार को जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने बसंतपुर का दौरा किया। उन्होंने दिल्ली के डीएम पूर्वी से बात कर यमुना बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र से बिजली के कनेक्शन हटवाए। इसके बाद उपायुक्त ने यमुना तटबंध का दौरा किया। उन्होंने ने बताया कि तीन स्थान ऐसे है जहाँ तटबंध कमजोर है। यहां पर पत्थर, रेत के कट्टे और मिट्टी लगी हुई है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को लगातार पेट्रोलिंग के निर्देश दिये है।

स्वास्थ्य विभाग की 25 टीमें की गई हैं तैनात–विक्रम सिंह ने बाढ़ से प्रभावित शेल्टर होम में लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एंबुलेंस भी लगवाई गई है और साथ ही स्वास्थ्य विभाग की 25 टीमों का गठन किया है। उनके द्वारा स्वास्थ्य कैंपों के निरीक्षण के दौरान सीएमओ डा. विनय गुप्ता को निर्देश दिए कि किसी भी तरह की दवाइयों की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि लालपुर में तटबंध में ग्रामीणों ने नीचे से पाईप दबने के कारण जलस्तर बढ़ा तो बांध में दरार आनी शुरू हो गई। इसके तुरंत बाद यहां पत्थर और मिट्टी के कट्टे लगवाए गए। इसके साथ ही बांध के साथ-साथ मिट्टी लगाकर मजबूत कर दिया है। साथ ही तीन प्वाइंटों की मरम्मत करवाई गई है।

चोरी की मिली शिकायतों के बाद पुलिस को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश–उपायुक्त विक्रम सिंह ने मंझावली में दौरे के दौरान ग्रामीणों से बातचीत के दौरान जानकारी मिली कि यमुना क्षेत्र में खाली मकानों से सामान चोरी हो रहा हैं। इस पर उपायुक्त ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि लगातार पेट्रोलिंग बढ़ाएं।

पीने के पानी के लिए टैंकरों की व्यवस्था की, खाना मौके पर ही बनाने के निर्देश

उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि बाढ़ पीड़ित लोगों को पीने के पानी की व्यवस्था के लिए टैंकर लगाए गए हैं। इसके अलावा खाने के पैकेट लगातार रैडक्रास के माध्यम से भिजवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को दिक्कत न हो, इसके लिए मौके पर ही खाना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

यमुना से सटे गांवों में वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी कमान–उपायुक्त विक्रम सिंह आदेश जारी करते हुए यमुना से सटे गांवों में वरिष्ठ अधिकारियों को ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें एसडीएम परमजीत चहल को बसंतपुर, ददसिया, किडावली, लालपुर, मौजमाबाद, भस्कोला, महावतपुर में नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। एसडीएम बडखल पंकज सेतिया को अमीपुर, सिधोला, चिरसी, कबूलपुर पट्टी महताब, कबूलपुर पट्टी परवरीश गांव, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी बीएंडआर प्रदीप संधू को अकबरपुर, माजरा शेखपुर, दयालपुर, मंझावली, गुरसान गांव में, डीटीपी राजेंद्र शर्मा को नंगला माजरा, चांदपुर में, जीएम डीआईसी को शाहजहांनपुर, शाहपुरा, बिकुका गांव में, एसडीएम त्रिलोक चंद को दुलीपुर, नतीफपुर, जफरपुर माजरा छांयसा, छायसां और मोहना।

भारी बारिश में प्रशासन हर परिस्थिति से निपटने के लिए है सक्षम : उपायुक्त

Faridabad/Alive News

भारी बारिश के चलते यमुना नदी में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। आमजन की सुरक्षा के मद्देनजर आज जिला उपायुक्त विक्रम सिंह और पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने बसंतपुर गांव, यमुना व उसके आसपास के एरिया का निरीक्षण किया। उपायुक्त विक्रम सिंह ने वहां पर रह रहे लोगों के साथ बातचीत की और उनको सतर्क रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि अभी तक स्थिति नियंत्रण में है और खतरे की बात नहीं है परंतु हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की तरफ से ग्राम वासियों के खाने पीने की व्यवस्था की गई है और तीन नाव का भी इंतजाम किया गया है। उन्होंने ग्राम वासियों से अनुरोध करते हुए कहा कि बारिश में बिजली की तारों से करंट लगने का खतरा बना रहता है इसलिए बिजली की तारों से दूर रहे। इसके साथ ही अपने पशुओं का ध्यान रखें कहीं वह यमुना के पास न चले जाएं और प्रशासन द्वारा चिन्हित किए गए स्थानों पर ही रहे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन व पुलिस विभाग किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर है तथा लगातार बाढ़ नियंत्रण व जलभराव के कारण विस्थापित हुए लोगों के रहने व खाने की व्यवस्था की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बढ़ता हुआ जलस्तर आमजन की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है इसलिए गांव में यमुना के जल स्तर की निगरानी रखें और समय-समय पर पुलिस व प्रशासन को जल स्तर के बारे में सूचना देते रहें ताकि प्रशासन उनकी तुरंत मदद कर सके।

डीसी ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन संबंधित लोगों से की सीधी बातचीत

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जाजरू गांव के मिडिल स्कूल में हरियाणा उदय अभियान के तहत जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं क्रियान्वयन से सम्बंधित लोगों से सीधी बातचीत की। गांव के सरपंच अजय डागर ने जिला प्रशासन का गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं गांव के मौजिज लोगों ने पगड़ी बांधकर डीसी विक्रम सिंह को सम्मानित किया। जनसंवाद कार्यक्रम के बाद डीसी विक्रम सिंह सीटीएम अमित मान, एसडीएम त्रिलोकचंद ने त्रिवेणी के पौधे भी लगाए। डीसी विक्रम सिंह ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लोगों से जनसंवाद किया। उन्होंने लोगों से पूछा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं धरातल पर कितनी क्रियान्वित है। क्या वास्तव में लोगों तक इन योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है या नहीं। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही मातृत्व योजना, निरोगी आयुष, प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना, बीपीएल परिवार योजना, परिवार पहचान पत्र योजना, कन्या विवाह शगुन योजना आदि के बारे में जानकारी ली। वहीं डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत लोगों को 5 लाख तक का स्वास्थ्य लाभ दिया जाता है। जिसके लिए परिवार पहचान पत्र में वार्षिक आय 1.20 लाख रुपए से नीचे होनी चाहिए। हरियाणा राज्य पहला राज्य है, जहां पर 1.80 लाख तक आयु के लोगों को बीपीएल परिवारों की सूची में शामिल किया गया है। वहीं केंद्र की मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत बच्चे के जन्म से पूर्व पोषक आहार के गर्भवती को 5000 रुपए दिए जाते है। वही, हरियाणा सरकार दूसरी संतान के जन्म से पूर्व 6000 रुपए की सहायता पोषण आहार के लिए उपलब्ध कराती है। डीसी ने कहा कि ऐसी अनेक योजनाएं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा संचालित की जा रही हैं, जो आम जनमानस को लाभान्वित करने का काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चलाई जा रही जन धन योजना के तहत खोले गए बैंक खातों से 12 रुपए सालाना भुगतान करने पर 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा दिया जाता है। इसके अलावा कन्या विवाह शगुन योजना के तहत गरीब व आरक्षित परिवारों को कन्या के विवाह के लिए 31, 51 व 71 हजार रुपए की आर्थिक मदद प्रदान की जा रही है। डीसी विक्रम ने अधिकारियों को सरकार की ऑनलाइन पर प्रणाली प्लेटफार्म प्रणाली की व्यवस्था में कुछ बाधाएं हैं। उसे दूर जरूर जाकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ठीक करवाएं। इसके लिए सीएससी सेंटर

दिशा निर्देश दिए कि गांव से सभी अवैध कब्जे हटाए जाएं। राजस्व व जिला विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारी आपसी तालमेल करके भूमि की पैमाइश करके इस कार्य को यथाशीघ्र पूरा करें। उन्होंने लोगों की परिवार पहचान पत्र वेरिफिकेशन करवाने और पेंशन के संबंध में कहा कि लोगों को कहीं चक्कर काटने की जरूरत नहीं है। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार परिवार पहचान पत्र के जरिए ही वृद्धावस्था पेंशन व बीपीएल कार्ड बनाए जा रहे हैं। या एडीसी व एसडीएम कार्यालय में जाकर अपने परिवार पहचान पत्र की आय को दुरुस्त करवाना सुनिश्चित करें। डीसी विक्रम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन विभागों के गाँव जाजरू में जो भी कार्यालय, स्कूल, अस्पताल हैं। उनकी छतों को की साफ-सफाई बारिश के मौसम में जरूर करवाएं। ताकि उनकी छतों पर पानी न ठहरे। वहीं जिन विभागों के जो भी विकास कार्य चल रहे हैं वह गांव में उनका निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। गांव में लिंगानुपात 1000 के मुकाबले 880 है। जो कि एक चिंतनीय विषय है। इसके लिए सरकार द्वारा जारी ही हिदायतों के अनुसार गांव में क्या कमी है। किस वजह से यह सिस्टम में ढील है। इसे दूर करने के लिए गांव के प्रबुद्ध वर्ग आए आगे आएं। प्रशासन इस लिंगानुपात को बढ़ाने में प्रशासन का पूरा सहयोग प्रदान करें।

डीसी विक्रम ने गांव में पशु अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केन्द्र और स्कूल तथा अन्य सरकार की विभिन्न पेयजल संबंधी, बिजली संबंधी शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने लोगों से शिक्षा, चिकित्सा पेयजल सप्लाई, बिजली सप्लाई, पानी की निकासी सहित तमाम जानकारियां भी ग्रामीणों से ली। वहीं ग्रामीणों ने गांव से हड्डा रोड़ी हटवाने, अवैध कब्जे हटवाने, शमशान भूमि पर सबमर्सिबल लगवाने, शेड बनवाने, चारदीवारी बनवाने सहित जो भी मांगे रखी। उसके बारे में अधिकारियों को डीसी विक्रम ने दूर करने के तुरंत दिशा निर्देश दिए। वहीं डीसी विक्रम ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत गांव के सभी ग्रामीण सामूहिक रूप से एक प्लंबर को जिला विकास एवं पंचायत विभाग के सहयोग और सरपंच के सहयोग से नियुक्त करें। उसी पलंबर से कनेक्शन करवाए। अवैध कनेक्शन न करें। ताकि गांव में व्यर्थ पानी न जाए और गंदे पानी की सप्लाई पेयजल सप्लाई के साथ ना जुड़े। इसके लिए गांव में गांव वासी आपस में ग्राम पंचायत व जिला विकास एवं पंचायत विभाग के कर्मचारियों के साथ तालमेल करके इस कार्य को पूरा करना सुनिश्चित करें। बता दें कि गांव जाजरू की कुल जनसंख्या 2677 इनमें मेंल 1424 और फीमेल 1253 है। वही सेक्स रेशों 880 है। गांव में कुल 292 पेंशनर है और वही टोटल परिवार 468 हैं। एक वेटरनरी अस्पताल, एक व्यायामशाला, श्मशान घाट दो, चौपाल सात हैं। वहीं तालाब 4, 2 आंगनवाड़ी केंद्र, एक गवर्नमेंट मिडिल स्कूल और स्कूल में कुल बच्चों की संख्या 545 है। वही इसके अलावा अन्य जानकारियों वाले भी लोगों को अवगत कराया गया। जनसंवाद कार्यक्रम में डीडीपीओ राकेश मोर, बीडीपीओ अजीत सिंह, कार्यकारी अभियंता पंचायती राज गजेंद्र सिंह, तहसीलदार भूमिका लांबा सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए आठ ड्यूटी मजिस्ट्रेट किए नियुक्त-जिलाधीश

Faridabad/Alive News

जिलाधीश विक्रम सिंह ने जिला फरीदाबाद में कांवड़ यात्रा के दौरान क़ानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 08 ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। जिलाधीश ने जिला फरीदाबाद में दंड प्रक्रिया संहिता, 1973, की धारा 22 (1) और 23 (11) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आगामी 16 जुलाई तक होने वाली कांवड़ यात्रा के निर्बाध रूप से संपन्न कराने व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तथा किसी भी प्रकार की अनहोनी से तत्परता से निबटने के लिए 08 ड्यूटी मजिस्ट्रेटो की नियुक्ति की है। उन्होंने बताया कि एसएचओ सराय ख्वाजा, एसएचओ पल्ला, एसएचओ सेक्टर-31 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए राकेश कुमार एसडीओ (इर्रिगेशन मैकेनिकल डिपार्टमेंट) फरीदाबाद को नियुक्त किया गया है। एसएचओ सेंट्रल, एसएचओ ओल्ड व एसएचओ सेक्टर- 17 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए मन्नू गर्ग एसडीओ (इर्रिगेशन मैकेनिकल डिपार्टमेंट), एसएचओ खेड़ीपुल, एसएचओ बीपीटीपी व एसएचओ भूपानी के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए संदीप राठी एसडीओ (एमसीएफ) फरीदाबाद, एसएचओ एनआईटी, एसएचओ कोतवाली व एसएचओ सूरजकुंड के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए अंकित भारद्वाज एक्सएन (एफएमडीए) फरीदाबाद, एसएचओ सारन, एसएचओ डबुआ व एसएचओ सेक्टर-58 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए गजेंद्र एक्सएन (पंचायत राज) फरीदाबाद, एसएचओ धोज, एसएचओ एसजीएम नगर व एसएचओ मुजेसर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए ओपी कर्दम एक्सएन (एमसीएफ) फरीदाबाद, एसएचओ सिटी बल्लभगढ़, एसएचओ सदर बल्लभगढ़ व एसएचओ आदर्श नगर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए महेंद्र सिंह रावत, एई (एमसीएफ) फरीदाबाद, एसएचओ सेक्टर-08, एसएचओ तिगांव, एसएचओ छांयसा व एसएचओ ट्रैफिक के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के लिए अमित चौधरी एई (एमसीएफ) फरीदाबाद को नियुक्त किया गया है।

डीटीबीए के एक प्रतिनिधि मंडल ने एक्साइज एंड टैक्सेशन डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी से की मुलाकात

Faridabad/Alive News

जिला टैक्स बार एसोसिएशन फरीदाबाद के एक प्रतिनिधि मंडल ने प्रधान डी.आर.चौधरी की अध्यक्षता में हरियाणा सरकार में नव नियुक्त प्रिंसिपल सेक्रेटरी (एक्साइज एंड टैक्सेशन डिपार्टमेंट) देवेंद्र सिंह कल्याण से मुलाकात की और अधिवक्ताओं एवं व्यापारी भाईयों को दिन प्रतिदिन आने वाली समस्याओं से अवगत कराया और लिखित में एक ज्ञापन भी सौंपा। जिस पर विस्तार से चर्चा की गई। एक्साइज एंड टैक्सेशन डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी देवेंद्र सिंह कल्याण ने साथ ही साथ संबंधित अधिकारियों को भी समस्या दूर करने के लिए निर्देश दिये। मीटिंग लगभग एक घंटे चली। एसोसिएशन के महासचिव राजेंद्र शर्मा ने बताया कि विभाग की ओर से दीपिका चौधरी (जॉइंट एक्साइज एंड टैक्सेशन कमिश्नर रेंज) एवं जिला फरीदाबाद के चारों जोन के डिप्टी एक्साइज एंड टैक्सेशन कमिश्नर मौजूद रहे और डिस्ट्रिक्ट टैक्स बार एसोसिएशन फरीदाबाद की ओर से मुख्य रूप से बलबीर चौधरी, के.के. मिश्रा, एम.एस. शेखावत, नरेंद्र चौधरी, ए.के. चौधरी, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट दीपक छाबड़ा एवं वाइस प्रेसिडेंट राजेश गुप्ता विशेष रूप से मौजूद रहे।

महंगी हुई आम आदमी की थाली, आसमान छू रहे है सब्जियों के दाम

Laxmi Pal/Alive News

फरीदाबाद। इन दिनों बारिश की मार सब्जियों पर भारी पड़ने से टमाटर के साथ साथ अन्य सब्जियों के दाम भी आसमान छू रहे है। टमाटर के लाल तेवर के बाद धनिया, मिर्च, अदरक, टमाटर, तोरई, लहसुन ने आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ दिया है। जहां महिलाएं एक हफ्ते पहले टमाटर एक किलो खरीद रही थी तो वहीं अब पाव से काम चला रही हैं। हरी सब्जियां खाना सभी के लिए फयदे मंद है। लेकिन बारिश के चलते आम आदमी का हरी सब्जी खाना बहुत मुश्किल हो गया है। देश भर में मानसून ने दस्तक दे दी है बारिश की प्रभाव सबसे ज्यदा सब्जीयो पर देखा जा सकता है क्योकि बारिश से खेतों में पानी भर जाने से सब्जियां सड़ने के कारण आस-पास के राज्यों से दिल्ली की मंडियों में मंगाना पड़ रहा है जिस वजह से सब्जियो के दाम बढ़ गए है।

क्या कहना गृहिणीयों का

गृहिणी श्वेता यादव ने बताया कि सब्जी महंगी होने से आम आदमी को बहुत परेशानी हो रही है। परिवार में छह लोग हो तो रोजाना 1 किलो सब्जी खरीदनी ही पड़ती है। महंगी सब्जी के कारण सब्जी खरीदने में कटौती करनी पड़ रही है। वहीं कुसुम का कहना है कि दिन प्रतिदिन महंगाई बढ़ती जा रही है। इन दिनों सब्जी के दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। मंडियों में टमाटर 100 रुपये प्रति किलो के हिसाब से मिल रहा है और हरी मिर्च, अदरक,के अलवा हरी सब्जियों पर भी महंगाई ने अपना रंग चढ़ा दिया है।

सब्जियां के एक हफ्ते पहले दाम और अब के दाम में प्रति किलो की बढ़ोतरी

(पहले के दाम) (अब के दाम)

टमाटर-20 रुपये 125 रुपये

तोरई 20 रुपये 60 रुपये

नींबू 60 रुपये 80 रुपये

धनिया 10-20 रुपये 150 रुपये

अदरक 120 रुपये 250 रुपये

लहसुन 50-60 रुपये 264 रुपये

हरी मिर्च 40 रुपये 100 रुपये

शिमला मिर्च 20 रुपये 52 रुपये

बेगन लम्बा 15 रुपये 38 रुपये

(सभी रेट प्रति किलो में है)

बी.के. स्कूल में नेत्र, दंत व सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

Faridabad/Alive News

नंगला रोड स्थित बी. के. पब्लिक स्कूल में तारा नेत्रालय एवं केएमसी अस्पताल द्वारा लगाए गए नेत्र जांच, दन्त जांच एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बी के स्कूल के चेयरमैन डा. भूपेन्द्र श्योराण ने बताया कि करीबन 252 लोगों ने नेत्र जांच करवाई जिनमें से 16 लोगों को मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए चयनित किया गया तथा 100 लोगों को मुफ्त चश्में वितरित किए गए साथ ही क्लोव डेंटल द्वारा 200 लोगों के दंत चिकित्सा कर उन्हें दवाईयां भी वितरित की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से पंडित मुनेश शर्मा, सुनील यादव, मामचंद भड़ाना, शिक्षाविद् शोभित आजाद, शिक्षाविद् राजेश मदान, राजीव बत्रा, राकेश खटाना, झम्मन लाल शर्मा, संजीव कुशवाहा, रतन लाल चौधरी, स.मनजीत सिंह, मनीष शर्मा, अवधेश कुमार ओझा उपस्थित रहे। इस मौके पर स्कूल के चेयरमैन डॉक्टर भूपेंद्र ने आए हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह तुलसी का पौधा देखकर सम्मानित किया। कैंप के आयोजक सचिन तंवर ने बताया कि केंप से जरूरतमंद लोगों को लाभ मिलता है और उन्हें मुफ्त में सारी सुविधाएं मिल जाती हैं। इस अवसर पर स्कूल के डॉक्टर भूपेंद्र श्योराण ने कहा कि विद्यालय हमेशा शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक एवं स्वास्थ्य गतिविधियों से भी जुड़ा है। साल में ऐसे कई अवसरों पर ऐसे आयोजन कर लोगों को सुविधाएं दिलाने का प्रयास स्कूल प्रबंधन कमेटी करती रही है। इस अवसर पर केएमसी अस्पताल के डाक्टर मनीष शर्मा के सहयोग से शिविर सम्पन्न हुआ।

एडीसी ने बैठक कर सड़क सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

Faridabad/Alive News

अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) अपराजिता ने कहा कि जिला फरीदाबाद में सड़क सुरक्षा के नियमों की पालना करनवाने के लिए विद्यार्थियों और ड्राइविंग करने वाले लोगों को जागरूक करें। एनसीसी कैडेट को सड़क सुरक्षा से सम्बंधित ट्रैनिंग देकर जागरूकता अभियान चलाए। सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करने के लिए जिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी को जो भी दायित्व मिला है। उस विभाग के अधिकारी उसे पूरी निष्ठा के साथ सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार निर्धारित समय पर पूरा करें।

अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता आज बुधवार को आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में जिला फरीदाबाद में सड़क सुरक्षा के नियमों सही पालना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर

उपस्थित अधिकारियों और सड़क सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े गणमान्य लोगों को सम्बोधित कर रही थी। सड़क सुरक्षा के नियमों की पालना करने के लिए पुलिस प्रशासन और हाईवे के तकनीकी अधिकारी आपसी तालमेल करके कार्य को बेहतर तरीके से क्रियान्वित करें। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार सड़क सुरक्षा के नियमों अनुसार हैं सड़क पर लगाई जाने वाली पटिया, ज़ेबरा क्रॉसिंग प्वाइंट और ग्रील लगाने, टूटने पर ठीक करवाने सहित बरसाती पानी या गंदा पानी इक्कठा होता है वहां उन स्थानों को चिन्हित करके वहां पर सभी समस्याओं को दूर करें।

समीक्षा बैठक में प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारी, हरियाणा रोडवेज, ट्रांसपोर्ट, पुलिस एवं रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.) के प्रतिनिधियों सहित बैठक से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एडीसी अपराजिता ने कहा कि अगर कही कोई सड़क दुर्घटना होती है तो उस दुर्घटना के कारणों की सही तरीके से जांच हो और दुर्घटना में जिसकी लापरवाही हो उस पर क़ानूनी कार्यवाही की जाएं। सभी एजेंसिया अपने अंडर बनी रोड की पूर्ण जानकारी दे और सड़क बनाने में अगर ठेकेदार कोई कमी छोड़े तो उस पर भी कार्यवाही की जाए।

डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन ने कहा कि जिला फरीदाबाद की सभी सड़को ब्लाइंड स्पोर्ट और गड्ढों का दुबारा सर्वे हो और सभी सड़को पर स्पीड लिमिट के बोर्ड लगाए जाए। आरटीए अधिकारी ने समीक्षा बैठक से जुड़े विभिन्न विषयों बारे एक एक करके बिन्दुवार बारीकी से जानकारी दी। बैठक में डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन, एसीपी ट्रैफिक विनोद कुमार, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन प्रदीप संधू, आरटीए, एमसीएफ, स्मार्ट सिटी, यूएलबी एफएमडीए, सीएमओ डिपार्टमेंट तथा एनएचएआई सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी और सड़क सुरक्षा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना का लाभ अंत्योदय परिवारों को मिला है-विक्रम सिंह

Faridabad/Alive News

उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की निर्देशानुसार अंत्योदय परिवारों के उत्थान के लिए जिला में जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं द्य इसी क्रम में पशुपालन विभाग द्वारा अंत्योदय परिवारों के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसमें 25 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है द्य इनमें से एक योजना बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना है जिसका लाभ क्षेत्र के अंत्योदय परिवारों को मिला है पशुपालन विभाग के उप-निदेशक डॉ. विरेन्द्र सहरावत ने बताया कि बड़खल व बल्लभगढ़ उपमंडल के 31 अंत्योदय परिवारों को 50 देसी नस्ल के चूजे, 2 फीडर व 2 ड्रिंकर राजकीय कुक्कुट फार्म, हिसार द्वारा निःशुल्क वितरित किए गए राजकीय पशु चिकित्सालय के प्रभारी डॉ. ईमरान खान ने बताया कि इस योजना के लिए विभाग द्वारा ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं द्य अनुसूचित जाति और बी.पी.एल श्रेणी परिवार सरल हरियाणा पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं द्य चयनित परिवारों को 50 देसी चूजे, 2 फीडर व 2 ड्रिंकर विभाग द्वारा निःशुल्क दिए जाते हैं इसी योजना के तहत राजकीय पशु चिकित्सालय, बल्लभगढ़ और मोहना के प्रभारी डॉ तरूणा व डॉ रघुराज ने अपने क्षेत्र के गांवों सुनपेड़ और मोहना में भी कुक्कुट यूनिट वितरित कराए

किसानों को सौर ऊर्जा पम्प मिलेगें 75 प्रतिशत अनुदान पर : अपराजिता

Faridabad/Alive News

एडीसी अपराजिता ने कहा कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग हरियाणा द्वारा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना के तहत किसानों को 3 से 10 हॉर्स पावर (एचपी) तक के सौर ऊर्जा पम्प 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराये जायेंगे। यह जानकारी देते हुए अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती अपराजिता (आई.ए.एस) ने आगे बताया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा 3 एचपी, 7.5 एचपी व 10 एचपी के पूरे हरियाणा में सौर ऊर्जा पंप 75 प्रतिशत अनुदान पर दिए जाएंगे। सोलर वाटर पंपिंग सिस्टम केवल उन्हीं किसानों को दिए जाएंगे जो किसान सूक्ष्म सिंचाई जैसे टपका सिंचाई या फव्वारा सिंचाई योजना के तहत सिंचाई करते हो और अपने खेत में जमीनी पाईप लाइन दबाकर सिंचाई करते हो। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन हरियाणा सरकार के सरल पोर्टल saralharyana.gov.in पर ही किए जा सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के समय परिवार पहचान पत्र के साथ मोबाईल लिंक होना चाहिए, कृषि भूमि की जमाबंदी या फर्द तथा घोषणा पत्र प्रार्थी के पास अवश्य होना चाहिए। सोलर पम्प की सम्पूर्ण तकनीकी विशिष्टताओं की जानकारी के लिए विभाग की वेबसाईट (http://hareda.gov.in) या MNRE की वेबसाईट mnre.gov.in पर जाये।

उन्होंने आ इस योजना के तहत जो किसान सोलर वाटर पंपिंग सिस्टम लगवाना चाहते हैं, वह सरल हरियाणा (https://saralharyana.gov.in) पर आज 28 जून 2023 को प्रातः 9 बजे से 12 जुलाई 2023 तक सायं 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। एडीसी अपराजिता ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में इस वर्ष के लक्षित लाभार्थियों का चयन परिवार की वार्षिक आय व भूमि धारण के आधार पर किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 से 2021 तक के डिस्कॉम के विद्युत ट्यूबवेल कनेक्शन आवेदकों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जाएगी, दूसरी प्राथमिकता मिकाडा/MICADA के सोलर पंप के आवेदकों को दी जाएगी। इसके बाद स्वीकृत के आधार पर शेष लक्षित आवेदकों का चयन परिवार की वार्षिक आय व भूमि धारण के आधार किया जाएगा। एडीसी अपराजिता ने कहा कि चयनित लाभार्थी मूल्य निर्धारण के उपरांत पीएम कुसुम PM KUSUM पोर्टल पर जाकर सरकार द्वारा सूचीबद्ध कम्पनी का चयन करके लाभार्थी हिस्सा जमा करवा सकेंगे।

शहरी जलभराव और भूजल की कमी के सह समाधान के लिए परियोजना का लोकार्पण

Faridabad/Alive News

स्मार्ट सिटी में जलभराव और भूजल की कमी की समस्या दूर करने के लिए मानव रचना सेंटर फॉर एडवांस वॉटर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज (एमआरआईआईआरएस) की ओर से को पीडब्ल्यूडी बीएंडआर कॉलोनी सेक्टर-16 ए में संचालित शोध परियोजना का लोकार्पण किया गया। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की ओर से वित्त पोषित इस परियोजना को 70.12 लाख रुपये की लागत से पीडब्ल्यूडी की जमीन पर तैयार किया गया है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त विक्रम सिंह और विशिष्ट अतिथि के तौर पर केंद्रीय भूजल बोर्ड के चेयरमैन सुनील कुमार शामिल हुए। इस दौरान मानव रचना शैक्षणिक संस्थान (एमआरईआई) के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला, एमआरईआई के डीजी डॉ. एनसी वाधवा, जल प्रौद्योगिकी सेल (डीएसटी) प्रमुख डॉ. प्रवीण अरोड़ा, सीएडबल्यूटीएम के चेयर प्रोफेसर डॉ. दीपांकर साहा, परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. ए मुखर्जी और सह प्रधान अन्वेषक डॉ. निधि

डिडवानिया भी शामिल रहीं।

सबसे पहले कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डॉ. ए मुखर्जी ने परियोजना के बारे में तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि ये अनुसंधान परियोजना है जिसे सामान्य तौर पर उपयोग की जाने वाली छत पर वर्षा जल संचयन और कृत्रिम भूजल पुनर्भरण प्रणाली को संशोधित करके तैयार किया है। शहरी क्षेत्रों में आ रही जलभराव की समस्या एवं भूजल स्तर के गिरते स्तर की समस्या को देखते हुए अधिक प्रभावी और कुशल जलभृत भंडारण के लिए काम करेगा।

जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने इस परियोजना के लिए संस्थान को बधाई देते हुए कहा कि इसके सफल क्रियान्वन पर पूरे शहर के लिए योजना बनाई जाएगी। स्मार्टसिटी में कई कारणों से जलभराव बड़ी परेशानी बनी हुई है। इसके लिए सभी की भागीदारी से उपाय तलाशे जा रहे हैं। डॉ. प्रशांत भल्ला ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य लोगों के शिक्षित करने के साथ ही बेहतर समाज का निर्माण करना है, ये परियोजना इसी मकसद को सार्थक करती है। इसकी मॉनिटरिंग कर सरकार और प्रशासन के साथ परिणाम साझा कर आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

सुनील कुमार ने कहा कि देशभर में कई शहरों में जलभराव और पानी की किल्लत विकराल रूप ले चुकी है। इससे निजात पाने के लिए डीएसटी ने मानव रचना के सहयोग से पहल की है जिससे भूजल स्तर बढ़ेगा।

डॉ. दीपांकर साहा ने कहा कि इस परियोजना की संरचना साइंटिफिक तरीके से तैयार की गई है, जोकि पानी में से गंदगी को अलग कर इसे पूरी तरह शोधित करके जलभृत भंडारण को बढ़ाएगा। डीएसटी से आए डॉ. प्रवीण अरोड़ा ने कहा कि इस परियोजना से काफी उम्मीदें हैं। ये परियोजना सफलतापूर्वक लागू होगी और देशभर के शहरों को जलभराव और भूजल कमी की समस्या दूर करने के लिए एक मिसाल पेश करेगी। कार्यक्रम संचालिका डॉ. निधि ने बताया कि ये परियोजना फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड और पीडब्ल्यूडी के सहयोग से तैयार की गई है।

इससे पहले सफल रहीं दो परियोजनाएं

सेक्टर 16ए (पीडब्ल्यूडी बी एंड आर कॉलोनी) और 15ए (ऑफिसर्स कॉलोनी) में स्मार्ट सिटी क्षेत्र के तहत दो स्थानों की पहचान की गई थी, जहां भूजल स्तर घटता जा रहा है और जलभराव की परेशानी है। इलाके में हर साल मानसून में भारी बारिश के दौरान लोग परेशान रहते हैं। इन दोनों जगहों पर मई 2021 में लगाई गई परियोजनाओं के तहत पिछले मानसून में परीक्षण किया गया और पाया कि ये दोनों पूरी तरह ठीक काम कर रहे हैं। इसके बाद तीसरी परियोजना को शुरू किया गया है।

मण्डलायुक्त ने यमुना में बढ़ते जलस्तर व भारी बरसात को लेकर मंडल के उपायुक्तों से की मंत्रणा बैठक

Faridabad/Alive News

मण्डलायुक्त विकास यादव ने आज बुधवार को भारी बरसात की स्थिति से उत्पन्न होने वाली सम्भावित जन समस्याओं को लेकर उपायुक्तो के साथ समीक्षा बैठक की। मण्डल कमीशनर विकास यादव ने उपायुक्तो को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यमुना में बढते जल स्तर की निगरानी प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से पूरी मुस्तैदी के साथ करवाई जाए। जहां कहीं भी लोगों को खाने पीने व रहने की व्यवस्था की जानी है उसे तुरंत सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त ने उपायुक्तो को बाढ़ नियंत्रण के बेहतर से बेहतर इंतज़ाम करने के आदेश दिए व कहा कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

समीक्षा बैठक में उपायुक्तो को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि इलाका वार नोडल अधिकारी नियुक्त करना सुनिश्चित करें। वहीं नोडल अधिकारियों को भी निर्देश दे कि विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल करके तुरंत जन शिकायतों का निपटान करना सुनिश्चित करें।

फरीदाबाद मण्डल कमीशनर विकास यादव ने कहा कि हरियाणा में हो रही रिकॉर्डतोड़ बारिश को लेकर सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। मण्डल के सभी जिला उपायुक्त जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन आदि की व्यवस्था करें। अपने-अपने जिलों में और शहरों में ड्रेनेज व्यवस्था की सफाई करवानी सुनिश्चित करें। ताकि संभावित भारी बारिश की के मद्देनजर उनके जिलों में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी आमजन को ना हो।

मण्डलायुक्त विकास यादव ने कहा कि यमुना नदी में फरीदाबाद और पलवल जिला में 250000 क्यूसेक पानी तक नियंत्रण में रहता है। इसके अलावा अधिक पानी आने पर सभी विभागों के अधिकारियों का आपसी तालमेल बना लें और जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन के पैकेट सहित उनके रहने व खाने-पीने सहित तमाम सुविधाएं सुनिश्चित करें। यमुना क्षेत्र के गांवों अलर्ट पर ले ले। वहीं फरीदाबाद शहर की कुछ कॉलोनियों को भी अलर्ट पर उन लोगों को सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि शहर में बारिश की वर्षा के पानी को बाहर फेंकने के लिए डिस्पोजल अलग-अलग क्षेत्रों में लगाए और वहां पर बिजली व जनरेटर सहित तमाम सुविधाएं पुख्ता करें। अधिकारियों को दिशा निर्देश कि वें प्रशासन व ट्रैफिक पुलिस विभाग के अधिकारी अपने-अपने इलाकों में मुस्तैद रहे। जहां जिनको जो भी जरूरत है उसके बारे में उन्हें तुरंत अवगत कराएं। ताकि यथाशीघ्र उस समस्या का समाधान किया जा सके। बिजली व पानी निकासी की समुचित प्रबंध करना सुनिश्चित करें।

डिस्पोजल व अंडरपास पर पुलिस व प्रशासन के कर्मचारी 24 घंटे मौजूद रहना सुनिश्चित करें। अलग-अलग क्षेत्रों के नोडल अधिकारियों को दिशा निर्देश दे कि उन्हें अपने-अपने इलाकों के बारिश से संबंधित अन्य तमाम मूलभूत जनहित सुविधाओं की वास्तविक जानकारी समय समय पर लेना सुनिश्चित करें। समीक्षा बैठक में डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि आज बुधवार को प्रातः जिला फरीदाबाद में गांव अमीपुर में यमुना में फंसे 78 लोगों को जिला प्रशासन ने एनडीआरएफ की मदद से सुरक्षित रेस्क्यू किया है। जहां यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने के बाद जिला प्रशासन को इन लोगों के फंसे होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल, तहसीलदार सुरेश कुमार, नायब तहसीलदार तिगांव अजय कुमार व एसएचओ तिगांव दलबीर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। वहां नोएडा प्रशासन की भी मदद ली गई। डीसी विक्रम सिंह ने आगे बताया कि देर रात को 2:00 बजे एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई। सुबह 6:00 बजे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में सभी 78 लोगों को जिनमें औरतें और बच्चे भी शामिल हैं सभी को सुरक्षित निकाला गया है। सभी लोगों को अमीपुर गांव में शेल्टर होम में रखा गया और रहने-खाने की व्यवस्था की गई है। समीक्षा बैठक में फरीदाबाद के डीसी विक्रम सिंह, पलवल की डीसी नेहा सिंह व नूह के डीसी प्रशांत पंवार मौजूद रहे।

हरियाणा के राज्यपाल ने किया सर्वोदय अस्पताल में उन्नत पैथोलॉजी और लैब सर्विसेज विभाग का शुभारंभ

Faridabad/Alive News

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने स्थानीय सेक्टर-8 में सर्वोदय हॉस्पिटल में शहर का सबसे उन्नत पैथोलॉजी और लैब सर्विसेज विभाग शुभारंभ किया। टेक्नोलॉजी और डायग्नोसिस में एडवांसमेंट के साथ यह लैब NABL-मान्यता प्राप्त है।

लैब के उद्घाटन अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के साथ डीसी विक्रम सिंह, डीसीपी बल्लभगढ़ राजेश दुग्गल, एसडीएम बल्लबगढ़ त्रिलोक चंद, सर्वोदय अस्पताल के चेयरमैन डॉ. राकेश गुप्ता, सर्वोदय हेल्थकेयर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अंशू गुप्ता और डॉ. दीपिका परवान, एचओडी और सीनियर कंसलटेंट, पैथोलॉजी एवं लैब सर्विसेज की विशेष उपस्थिति रही।

बंडारू दत्तात्रेय ने सर्वोदय हॉस्पिटल की सराहना करते हुए कहा कि इस लैब से पहले कुछ विशेष जांचों के लिए मरीजों को दिल्ली में बने हॉस्पिटल्स की लैब का रुख करना पड़ता था। परन्तु अब मुझे विश्वास है कि यह उन्नत लैब निःसन्दे सटीक और समय पर निदान को सक्षम करके स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। राज्यपाल बण्डारू दत्तात्रेय ने चिकित्सा प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने और मरीज की देखभाल में सुधार करने के लिए सर्वोदय हॉस्पिटल की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि यह अत्याधुनिक लैब एक नया मापदंड स्थापित करती है और मुझे भरोसा है कि यह निश्चित रूप से हरियाणा के स्वास्थ्य सेवा में सुधार करेगी।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ मन और स्वस्थ शरीर में परमात्मा का वास होता है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव सचेत और सजग रहना चाहिए। मुझे इस बात की न केवल आत्मिक खुशी है बल्कि गर्व भी है कि इस दायित्व को मेरे देश व प्रदेश के सभी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी बहुत ही बेहतरीन ढंग से अपना फर्ज निभाते हुए मानवता की सेवा कर रहे है।

राज्यपाल हरियाणा बंडारू दत्तात्रेय ने आपसी संवाद के दौरान कहा कि हमारे समाज में डॉक्टर्स को सृष्टि के रचयिता के बाद भगवान का ही स्वरूप समझा जाता है क्योकि डॉक्टर्स ही गंभीर से गंभीर बीमारी से ग्रस्त मनुष्य का बेहतरीन से बेहतरीन इलाज करके न केवल उन्हें स्वास्थ्य लाभ बल्कि नया जीवन भी प्रदान करते है, जोकि महान पुण्य का कार्य है। मै मानवता से परिपूर्ण उनके नेक कार्यों की सराहना करता हूँ और मुझे पूर्ण विश्वास है कि डॉ राकेश गुप्ता और उनकी पूरी टीम भी इसी प्रकार से अपना दायित्व निभाती रहेगी।

सर्वोदय हेल्थ केयर के चेयरमैन डॉ. राकेश गुप्ता ने राज्यपाल हरियाणा को बताया कि सर्वोदय हेल्थकेयर में हम हमेशा लोगों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं लाने का प्रयास करते हैं। लैब सर्विसेज में अत्याधुनिक तकनीक और बहु-विषयक एप्रोच से हम मरीज की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप सटीक निदान और प्रभावी उपचार प्रदान कर सकेंगे। हमारे डॉक्टरों और तकनीशियनों की अनुभवी टीम के साथ, हम स्वास्थ्य देखभाल की सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए चिकित्सा प्रगति में योगदान देना चाहते हैं। हमारा प्रयास है कि हम उन्नत स्वास्थ्य देखभाल के इस नए युग को अपनाकर स्वस्थ और समृद्ध समुदाय के निर्माण की दिशा में काम करते रहे।÷ उन्होंने कहा कि सर्वोदय हॉस्पिटल के परिसर में स्थित, यह एडवांस्ड लैब सबसे उन्नत मेडिकल उपकरणों के साथ अत्यधिक कुशल हिस्टोपैथोलॉजिस्ट, माइक्रोबायोलॉजिस्ट, हेमेटोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट और अन्य डॉक्टरों से सुसज्जित है और रूटीन से लेकर दुर्लभतम बीमारियों के निदान और जांच को सटीक एवं तेजी से करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी। डॉ. दीपिका ने कहा, ÷यह क्षेत्र की पहली ऐसी लैब होगी जो एक साथ अनेक मेडिकल सेवाओं को देने में सक्षम है। जिसमें मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक, पैथोलॉजी, इम्यूनो केमिस्ट्री जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यह लैब 24म7 घंटे फंक्शनल रहती है और सुझाए गए समय के अंदर ही समय पर रिपोर्ट प्रदान करने की सुविधाओं से सुसज्जित है।

पुलिस ने बसंतपुर क्षेत्र से 500 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

Faridabad/Alive News

पल्ला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दलीप व नवीन नगर चौकी प्रभारी हर्षवर्धन और उनकी टीम ने जिला प्रशासन, एनडीआरएफ के साथ मिलकर बसंतपुर एरिया में फंसे 500 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि नवीन नगर चौकी प्रभारी ने सराहनीय कार्य करते हुए यमुना जलभराव में फंसे करीब 14 वर्षीय एक बच्चे को कंधे पर उठाकर वहां से सुरक्षित बाहर निकाल लिया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। पुलिस को सूचना मिली कि बसंतपुर एरिया में कुछ लोग पानी में फंसे हुए हैं जो अपने आप निकलने में असमर्थ हैं। सूचना मिलते ही हर्षवर्धन अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने ट्रैक्टर का प्रबंध करके वहां फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की। परंतु ट्रेक्टर रास्ते में ही बंद हो गया जिसकी वजह से उनको निकालने में और ज्यादा कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस टीम ने रस्सी को बंदोबस्त कर के रस्सी बांधकर पानी में फंसे लोगों तक पहुंचे। चौकी प्रभारी ने रस्सी के सहारे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया, परंतु पानी ज्यादा होने के कारण अपने आप निकलने में असमर्थ थे तो उसकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निरीक्षण हर्षवर्धन ने बच्चे को अपने कंधे पर उठा लिया और रस्सी के सहारे चलते हुए उसे सकुशल पानी से बाहर निकाला गया। इसके पश्चात लोगों को वापिस उसके

परिजनों को सौंप दिया गया। वहां पर मौजूद लोगों ने चौकी प्रभारी द्वारा किए गए सराहनीय कार्य के लिए उनका धन्यवाद किया। पल्ला पुलिस द्वारा वीरवार को बसंतपुर एरिया से करीब 500 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस लगातार प्रयास कर रही है कि जितना अधिक हो सके पानी में फंसे लोगों को बाहर निकाला जाए और उनकी मदद करके उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाए।

जादू के माध्यम से योजनाओं का प्रचार करना एक सराहनीय कदमः सीमा त्रिखा

Faridabad/Alive News

आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग के सौजन्य से आज वीरवर को सेक्टर-12 स्थित एचएसवीपी कन्वेंशन हॉल में निःशुल्क विश्व विख्यात जादूगर सम्राट शंकर द्वारा जादुई शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण का शुभारंभ बड़खल से विधायक सीमा त्रिखा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए गणमान्य लोग व स्कूली विद्यार्थी मौजूद रहे। विश्व विख्यात जादूगर सम्राट शंकर द्वारा विभिन्न प्रकार के जादुई शो प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कोविड-19 के दौरान की आपदा के बाद सूचना जनसंपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग के द्वारा विश्व विख्यात जादूगर सम्राट शंकर द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जादू के माध्यम द्वारा लोगों तक पहुंचाया और अपनी विभिन्न कलात्मक जादुई कृतियों द्वारा लोगों का मनोरंजन किया। उन्होंने बताया कि जादूगर सम्राट शंकर ने अपने जादू के माध्यम से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल बचाओ-जीवन बचाओ, पॉलीथिन हटाओ देश बचाओ, पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ आदि विभिन्न सामाजिक संदेश दिए। उन्होंने बताया कि हमारे समाज में बेटियों का अहम योगदान है। कन्या भ्रूण हत्या करना अपराध है। बेटियों को बचाओ और बेटियों को पढ़ाओं। बेटियां हर क्षेत्र में आगे आ रही है। जादू के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया है कि जल को बचाओं। अगर जल समाप्त हो गया तो जीवन समाप्त हो जाएगा। इसके साथ साथ पर्यावरण संरक्षण एवं नशा से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में आमजन को जागरूक करने का प्रयास किया गया है। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हरियाणा सरकार ने विश्व विख्यात जादूगर सम्राट शंकर द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में निशुल्क जादुई शो के जरिये समाज में फैली हुई बुराइयों को दूर करने का संदेश देने को कहा। उन्होंने लोगों से इन जादूई शो को ज्यादा से ज्यादा संख्या में देखने का आह्वान किया।

हार्डवेयर-प्याली पेरिफैरी रोड घोटाले में सरकार भ्रष्ट अधिकारी और नेताओं को बचाने में लगी है-विधायक

Faridabad/Alive News

हार्डवेयर-प्याली पेरिफैरी रोड घोटाले पर बोलते हुए विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि इस सड़क की फाईल वर्ष 2017 बनी, वर्क आर्डर भी 2017 में हुआ तथा काम भी वर्ष 2017 में शुरू हो गया। लेकिन वर्ष 2018 में सांसद कृष्णपाल गुर्जर की अध्यक्षता में मीटिंग हुई जिसमें फरीदाबाद के सभी विधायक मौजूद थे तथा नगर निगम फरीदाबाद के अधिकारी भी शामिल थे। विधायक नीरज शर्मा का कहना था कि इस मीटिंग का उद्धेश्य सिर्फ घोटाले को अंजाम देना था, क्योंकि जब मुख्यमंत्री की घोषणा वर्ष 2017 में हुई और तभी से काम शुरू हो गया था तो उसके बाद काम क्यों आर.एम.सी का किया गया। जबकि इस सड़क पर ब्रिज बनने थे, साईकिल ट्रैक बनना था तथा ब्यूटिफिकेशन होना था। उसका क्या हुआ किसी को नही पता।

विधायक नीरज शर्मा का कहना था कि जब वह विधायक बने तो उन्हें

इस पूरे मामले का ज्ञान हुआ तभी से वह इस मामले के पीछे लग गये, क्योंकि यह पैसा जनता का था। इस घोटाले की जांच 2020 से चल रही है और इस मामले में विजिलेंस दस्तावेज मांग रही थी लेकिन अधिकारी दस्तावेज उपलब्ध नही रहे थे। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि इस मामले को उन्होंने कई बार विधानसभा में उठाया लेकिन विधानसभा में उनकी आवाज दबा दी गई। क्योंकि भाजपा के विधायक विधानसभा में छाती ठोकर कहते थे कि अगर इस सड़क पर कोई घोटाला हुआ है तो वह जिम्मेदार है।

विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि जब सरकार इस घोटाले को दबाने की कोशिश कर रही थी तो उनके द्वारा इस मामले को लेकर माननीय उच्च न्यायालय का दरवाजा खटकाया, जिसमें केस नंबर सीडब्लूपी 22268 ऑफ 2022 लंबित है। जिसकी अगली तारीख 11 जुलाई 2023 है। जिसमें राज्य चौकसी ब्यूरो ने जो अपनी रिपोर्ट माननीय उच्च न्यायालय में जमा की उसमें सरकार ने माना कि आर.एम.सी का काम वर्ष 2017 में ही शुरू हो गया था, वर्ष 2017 में ही एम.बी भरी गई और आर.एम.सी की पैमेंट की गई।

सरकार ने माना की 16 करोड़ का घोटाला हुआ है। जबकि विधानसभा में भाजपा के विधायक, मंत्री कहते है कि अगर घोटाला हुआ है तो वह जिम्मेदार है। विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि क्या भाजपा के सांसद, विधायक, मंत्री को नही पता था कि मौके पर काम आर.एम.सी का चल रहा है। 23 फरवरी 2018 को मीटिंग सिर्फ क्या घोटाले को अजांम देने के लिए की गई थी?

विधायक नीरज शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि चाहे पैरीफेरी रोड का मामला हो, चाहे नगर निगम फरीदाबाद में बिना काम के 200 करोड़ रूपए भुगतान का मामला हो, रेल की पटरी खाने का मामला हो, कोई और घोटाले का मामला हो, नीरज शर्मा किसी भी भ्रष्टाचारी को छोडेगा नही।

जिम्मेदारों की लापरवाही से बरसात के पानी से शहर लबालब

Faridabad/Alive News

भारी बरसात के कारण हरियाणा प्रदेश में जनजीवन अस्त व्यस्त हो रहा है। सरकार और प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी कर लोगों को हिदायत दी जा रही है कि अपने घरों से बाहर न निकले। जिला फरीदाबाद प्रशासन की ओर से भी ऐसी ही अनाउंसमेंट की गई है। और कहा गया है कि लोग अनावश्यक अपने घर से बाहर ना निकले और अगर जरूरी होने पर ही बाहर निकले। जिला प्रशासन की उक्त हिदायत से साफ हो गया है कि बरसात से पहले नगर निगम अधिकारियों ने अपनी ड्यूटी इमानदारी से नहीं की, जिसका खामियाजा शहर की जनता को उठाना पड़ रहा है। शहर में नगर निगम के अधिकारियों के द्वारा समय रहते नाले नालियों की साफ सफाई नहीं कराई और जिन नाले-नालियों पर साफ सफाई का काम कराया गया था उन पर खाना पूर्ति की गई। इसका जीता जगता उदाहरण गौंछी ड्रेन है। हालांकि जिन क्षेत्रों में नाले-नालियों के निर्माण का काम चल रहा था वो न तो पूरा किया गया और जहां ठेकेदार ने काम पूरा किया वहां नालों को ड्रनेज सिस्टम से जोड़ा नही। अब इन लापरवाहियों का खामयाजा बारिश में शहर के लोग भूगत रहे है। फरीदाबाद में कॉलोनियों, सेक्टर व सोसाइटी के पॉश क्षेत्र बारिश में जलमग्न हो रहे

है। इस सम्बन्ध में नगर निगम अधिकारियों का पक्ष था कि नालों की सफाई कराई गई है लेकिन इस बार तेज बारिश हो रही है, इसलिए पानी धीरे निकल रहा है।

इन नालों की नहीं हुई सफाई

नीलम फ्लाईओवर के नीचे से न्यू टाउन रेलवे स्टेशन के पास से गुजरने वाले एसी नगर नाला जो गौंछी ड्रेन में गिरता है नगर निगम ने उसकी सफाई किये हुए जैसे लगता है कई साल बीत गए है। नाला कूड़े और प्लास्टिक से अटा हुआ है। जिसकी हालत देखकर लगता है कि कई दशकों से सफाई नहीं हुई है। यह नाला एसजीएम नगर, एनआईटी 5, एनआईटी 2, एनआईटी 3, एनआईटी-1 के बरसात के पानी को गौछी ड्रेन तक पहुंचाने का काम करता है। लेकिन नगर निगम 6 महीने पहले नाले की साफ-सफाई का दावा कर रहा है। सेक्टर-23 शमशान घाट से चलकर सोहना रोड को जाने वाली गौछी ड्रेन की सफाई की खाना पूर्ति की गई है। आज भी ड्रेन प्लास्टिक और पॉलिथीन से अटी हुई है। इसका एक कारण श्मशान घाट के पीछे गौछी ड्रेन पर कूड़े की छंटाई की जाती है। वो भी नगर निगम से बिना अनुमति लिये। छंटाई की वजह से ड्रेन में कूड़ा फस रहा है। नीलम चौक के स्थित नाला गंदगी से भरा पड़ा है नाला जाम होने के कारण इसे पानी की निकासी नहीं हो रही है। नगर निगम के अधिकारी अपने कार्यालय से कुछ कदम की दूरी पर गंदगी से भरे नाले की सफाई नहीं करा पा रहे हैं। बारिश में शहरी की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि लोगों बारिश होने पर अपने घर से निकलने में भी सोचते है।

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448